रीवा
09 सितम्बर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स

@ पेज 7

यूपी के युवक ने चुराए लालकिले से सोने के कलश

दिल्ली पुलिस ने हापुड़ से पकड़ा

हापुड़, एजेंसी। दिल्ली के लाल किला परिसर से डेढ़ करोड़ रुपए के दो स्वर्ण कलश चुराने वाला आरोपी यूपी के हापुड़ से गिरफ्तार हुआ है। रविवार रात 2 बजे दिल्ली पुलिस की टीम ने आरोपी के घर पर दबिश दी और उसे पकड़कर दिल्ली ले गई।

आरोपी की पहचान असौड़ा गांव निवासी भूषण वर्मा के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, भूषण कलश चुराने का एक्सपर्ट है। सालभर पहले उसने दिल्ली के लाल मंदिर और फिर अशोक विहार के मंदिर से कलश चुराया था। उस पर 5 मुकदमे दर्ज हैं।

भूषण जाति से सुनार है और गाड़ी चलाने का काम करता है। उसके घर से एक कलश जैसी वस्तु की रिकवरी हुई है। परिवार में भूषण के अलावा उसकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है। पुलिस के मुताबिक, भूषण ने पूछताछ में कई अहम बातें बताई हैं। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

रैली के बीच पलानीस्वामी ने जानबूझकर रोकी एंबुलेंस

मरीज को नहीं मिलने दिया इलाज, उदयनिधि का आरोप

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को एआईएडीएमके के महासचिव और विधानसभा में विपक्ष के नेता ई.के. पलानीस्वामी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वेल्लोर जिले में कुछ दिन पहले पलानीस्वामी ने जानबूझकर एक एंबुलेंस को रास्ता नहीं दिया और मरीजों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। बता दें कि हाल ही में वेल्लोर के आनाकट्ट इलाके में पलानीस्वामी के चुनावी अभियान के दौरान एक एंबुलेंस भीड़ के बीच से निकलना चाह रही थी। इस दौरान पलानीस्वामी ने एंबुलेंस ड्राइवर पर चिल्लाया, जिससे विवाद बढ़ गया। इस घटना की तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एमए. सुब्रमणियन ने भी कड़ी निंदा की थी।

कोलकाता में जन्मदिन पर 20 साल की लड़की का रेप

दो दोस्तों ने पार्टी करने के बहाने घर पर बुलाया; घटना के बाद हुए फरार

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के रीजेंट पार्क इलाके में 20 साल की लड़की का उसके जन्मदिन पर दो युवकों ने गैंगरेप किया। घटना 5 सितंबर की है, पुलिस ने रविवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित हरिदेवपुर की रहने वाली है। उसकी दोनों आरोपियों चंदन और दीप से पहचान थी। चंदन लड़की को उसका बर्थडे मनाने के लिए दीप के घर ले गया। वहां उन्होंने खाना खाया। जब पीड़ित ने कहा कि वह घर लौटना चाहती है, तो आरोपियों ने उसे रोक लिया। फिर दरवाजा बंद करके रेप किया।

घटना की अगली सुबह करीब 10.30 बजे पीड़ित किसी तरह आरोपी के घर से भाग निकली। घर लौटकर परिवार को जानकारी दी। फिर केस दर्ज कराया। फिलहाल आरोपी फरार हैं, दोनों की तलाश जारी है।

नीतीश कटारा के हत्यारे विकास यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

दूसरे केस में गुजरात सरकार व ED को नोटिस

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव की अंतरिम जमानत बढ़ाने से मना कर दिया। विकास यादव 25 साल की सजा काट रहा है और अब तक 23 साल जेल में रह चुका है। कोर्ट ने कहा कि वह जमानत बढ़ाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख करे। विकास यादव ने अपनी शादी और 54 लाख रुपये का जुर्माना भरने की जरूरत का हवाला देकर जमानत मांगी थी। पहले सुप्रीम कोर्ट ने उसकी जमानत एक हफ्ते के लिए बढ़ाई थी। विकास, यूपी के पूर्व नेता डी.पी. यादव का बेटा है। वह और उसका चचेरा भाई विशाल यादव, नीतीश कटारा के अपहरण और हत्या के दोषी हैं। नीतीश और विकाश की बहन भारती यादव के रिश्ते का परिवार ने विरोध किया था क्योंकि वे अलग जातियों से थे। तीसरे आरोपी सुखदेव पहलवान को 20 साल की सजा मिली थी, जिसे वह पूरी कर चुका है। 29 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने उसे रिहा करने का आदेश दिया था।

पत्रकार महेश लांगा की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस :सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गुजरात सरकार और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से पत्रकार महेश लांगा की जमानत याचिका पर जवाब मांगा। लांगा पर मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप है। महेश लांगा की जमानत पहले गुजरात हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जजों ने पूछा, वह किस तरह के पत्रकार हैं कोर्ट ने टिप्पणी की कि कई लोग खुद को पत्रकार बताते हैं, जबकि उनकी गतिविधियां अलग होती हैं। महेश लांगा पर कई एफआईआर दर्ज हैं। पहले दो मामलों में उन्हें अग्रिम जमानत मिली थी, लेकिन तीसरे मामले में टैक्स चोरी का आरोप लगा। फरवरी 2025 में ईडी ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया था।

तमिलनाडु में कार्यवाहक डीजीपी की नियुक्ति पर सुप्रीम नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार से पूछा कि राज्य में कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक क्यों नियुक्त किया गया। कोर्ट ने यूपीएससी को नियमित डीजीपी की नियुक्ति के लिए जल्द नाम सुझाने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यूपीएससी की सिफारिश मिलने के बाद राज्य सरकार नियमित नियुक्ति करे। यह याचिका वकील हेनरी टिफैग्ने ने दायर की थी। उनका कहना है कि 2018 के प्रकाश सिंह मामले के फैसले के अनुसार, राज्य सरकार को डीजीपी की नियुक्ति से तीन महीने पहले यूपीएससी को नाम भेजना जरूरी है। तमिलनाडु सरकार ने दलील दी कि एक अधिकारी ने कैट में याचिका दायर की है, जिसके कारण स्थायी डीजीपी की नियुक्ति फिलहाल नहीं हो सकी।

कर्नाटक के मांड्या में गणेश विसर्जन जुलूस पर पत्थरबाजी

8 लोग घायल, 21 गिरफ्तार; प्रो-हिंदू संगठन ने विरोध प्रदर्शन किया

कर्नाटक,एजेंसी। कर्नाटक के मंड्या जिले के रविवार रात गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव हुआ। रविवार शाम करीब 8 बजे मड्डूर शहर में हुई। जुलूस पर राम रहीम नगर से मस्जिद के सामने से गुजर रहा था, तब पत्थरबाजी की गई। इसके बाद दूसरे पक्ष ने भी पत्थरबाजी की। दोनों समुदायों में हाथापाई भी हुई।

पूरी घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई। इसके बाद पुलिस ने लोगों को हटाया। पत्थरबाजी की इस घटना में 8 लोग घायल हुए हैं। उनका जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने 21 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। मामले में दो FIR दर्ज की गई हैं।

वहीं, घटना को लेकर सोमवार को मंड्या में प्रो-हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया है। इस दौरान आगजनी भी की गई। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बताया कि इलाके में शांति बनाए रखने के लिए बीएनएस की धारा 163 लागू की गई है। कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है।

मामले पर किसने क्या कहा : गृह मंत्री परमेश्वर ने बेंगलुरु में पत्रकारों से कहा कि मड्डूर घटना के सभी आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। गणेश प्रतिमा का विसर्जन उसके बाद हुआ। छोटी-मोटी घटनाएं हुई हैं। एक जगह झंडा लाने के लिए चाकू मारने का प्रयास किया गया। दूसरी जगह गणपति जुलूस के दौरान छत से तीन साल और चार साल के छोटे बच्चों पर थूकने की घटना हुई। सब कुछ नियंत्रण में है। भाजपा राज्य अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने कहा- कांग्रेस शासन में कानून और व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। उन्होंने आगे कहा- गणेश विसर्जन जुलूसों के दौरान, कट्टर असामाजिक तत्व गिरोह बनाकर पत्थरबाजी कर रहे हैं। ऐसी घटनाएं राज्य के कई हिस्सों से रिपोर्ट की गई हैं, जिसमें मंड्या, धारवाड़, बागलकोट और हुब्बली शामिल हैं। कल मड्डूर में, असामाजिक तत्वों ने लगातार पत्थर फेंककर तनावपूर्ण वातावरण बनाया।

...दुस्साहस को असंवेदनशीलता से आगे बढ़ाया जा रहा, निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर सरकार पर सोनिया हमलावर

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार के ग्रेट निकोबार मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को योजनाबद्ध विनाश करार देते हुए सोमवार को कहा कि यह योजना निकोबार द्वीप के आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा है और इसे संवेदनहीनता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने इसे देश के कानूनों और संवैधानिक प्रक्रियाओं का मजाक बताया। एक अखबार में प्रकाशित अपने लेख द मेकिंग ऑफ एन इकोलॉजिकल डिजास्टर इन द निकोबार में सोनिया ने लिखा कि इस परियोजना से शोमपेन और निकोबारी जनजातियों के जीवन पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा, जब इन समुदायों के अस्तित्व पर संकट हो, तब समाज का सामूहिक विवेक चुप नहीं रह सकता।

जंगल और जीवन पूरी तरह नष्ट हो जाएगा- सोनिया :सोनिया गांधी ने बताया कि 72,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना के तहत एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, पावर प्लांट और टाउनशिप का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 160 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र को कवर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से निकोबारी जनजाति अपने पुश्तैनी गांवों से हमेशा के लिए विस्थापित हो जाएगी। ये गांव पहले ही 2004 की सुनामी के दौरान खाली कराए गए थे। वहीं, शोमपेन जनजाति का जंगल और जीवन पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। सोनिया ने आरोप लगाया कि सरकार ने इस प्रक्रिया में आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए बने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग और स्थानीय ट्राइबल काउंसिल की सलाह नहीं ली। यहां तक कि सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट में भी इन समुदायों का जिक्र नहीं किया गया।

राहुल बोले- ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना एक दुस्साहस; किसानों के दर्द का मजाक उड़ाने पर भाजपा हमलावर

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का एक लेख साझा किया। इस लेख के जरिए उन्होंने ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं और इसे स्थानीय आदिवासियों व पर्यावरण के लिए खतरा बताया। राहुल गांधी ने लिखा, ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट एक गलत कदम है, जो आदिवासी अधिकारों को कुचलता है और कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करता है।

भाजपा का कांग्रेस पर किसानों का अपमान करने का आरोप :दूसरी ओर, भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, अगली बार जब राहुल गांधी या कांग्रेस किसानों की बात करें, तो उन्हें यह वीडियो जरूर याद दिलाएं। उनके अपने अध्यक्ष ने किसानों के दर्द का मजाक उड़ाते हुए कहते हैं कि हमेशा रोते और पब्लिसिटी मत लो। अमित मालवीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने और आधुनिक खेती तकनीकों को अपनाने में मदद की, जबकि कांग्रेस ने सिर्फ किसानों को निराश किया।

रविशंकर प्रसाद ने पूछा- यह कैसा अहंकार है :इस मामले में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, एक गरीब किसान, जिसकी फसल बाढ़ और बारिश में बर्बाद हो गई थी, अपना दर्द साझा करने गया था। लेकिन कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, आप यहां क्यों आए हैं आप दिखावा क्यों कर रहे हैं... आपकी चार एकड़ जमीन बर्बाद हो गई है, लेकिन मेरी 40 एकड़ जमीन बर्बाद हो गई है... यह कैसा अहंकार है किसान अपना दर्द लेकर आपके पास आया क्योंकि कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में है... बेहतर होता कि राहुल गांधी कर्नाटक, पंजाब जाते... मैं राहुल गांधी को धीरे से याद दिलाना चाहता हूं कि सार्वजनिक जीवन में कोई ब्रेक नहीं होता।

कांग्रेस किसानों, सैनिकों और संविधान का अपमान करती है :वहीं भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने भी खरगे पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस किसानों, सैनिकों और संविधान का अपमान करती है। उन्होंने दावा किया कि जब एक किसान ने खरगे के सामने अपना दुख जताया, तो खरगे ने उसे भगा दिया। इसके अलावा, पूनावाला ने कांग्रेस सांसद तारीक अनवर पर भी निशाना साधा।

फरीदाबाद में एसी फटा, दंपती-बेटी की मौत,बेटा खिड़की से कूदा, हाथ-पैर टूटे

आग का धुआं घर में घुसने से दम घुटा

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा के फरीदाबाद में सोमवार को 4 मंजिला बिल्डिंग के पहले फ्लोर पर एसी का कंप्रेसर फट गया। इससे आग लग गई। इसका धुआं दूसरे फ्लोर में घुस गया। इसके कारण यहां रह रहे दंपती और उनकी बेटी की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि बेटे ने खिड़की से कूदकर जान बचाई। परिवार ने बचने के लिए छत पर जाने की कोशिश की थी, लेकिन गेट बंद होने से वह छत पर नहीं जा पाए। पड़ोसियों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन इसके पहुंचने से पहले तीनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। मामला ग्रीनफील्ड कॉलोनी में सुबह 3 बजे सामने सामने आया। परिवार पिछले 5 साल से इस बिल्डिंग में रहा था। मृतक व्यक्ति स्टॉक ट्रेडिंग का काम करता था। पहली फ्लोर में एसी फटा, आग लगी- फरीदाबाद पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि सचिन कपूर (50) अपने परिवार के साथ बिल्डिंग के दूसरे फ्लोर में रहते थे। जबकि पहले फ्लोर में दूसरा परिवार रहता है। सोमवार सुबह करीब 3 बजे पहले फ्लोर में एसी में शॉट सर्किट हो गया और कंप्रेसर फट गया। इससे पहले फ्लोर में आग लग गई। इसका धुआं दूसरे फ्लोर में घुस गया।

हिमाचल पूर्ण साक्षर राज्य बना, सीएम ने घोषणा की

99.02% साक्षरता दर के साथ टॉप पर; उल्लास लिटरेसी प्रोग्राम में देश का चौथा लिटरेट स्टेट

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश आज पूर्ण साक्षर राज्य बन गया है। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शिमला के पीटरहॉफ में आयोजित कार्यक्रम में इसकी घोषणा की। उल्लास (न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम) कार्यक्रम के तहत हिमाचल देश का चौथा पूर्ण साक्षर राज्य हो गया है।

देश में अभी तक उल्लास कार्यक्रम के तहत त्रिपुरा, मिजोरम और लक्षद्वीप पूर्ण साक्षर राज्य घोषित थे। इन तीनों को पछाड़कर हिमाचल प्रदेश 99.02 फीसदी साक्षरता दर के साथ देश में शीर्ष पर पहुंच गया है।

अभी तक मिजोरम 98.02 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ पहले पायदान पर, लक्षद्वीप 97.3 फीसदी के साथ दूसरे और त्रिपुरा 97.3 प्रतिशत साक्षरता के साथ तीसरे नंबर पर है। मगर अब हिमाचल नंबर-वन हो गया है।

कैसे घोषित होता है साक्षर राज्य- बता दें केंद्र सरकार के मानकों के तहत जब किसी राज्य में 95 फीसदी या इससे अधिक आबादी साक्षर हो जाती हैं, तब उसे पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा केंद्र को भेजे पत्र के मुताबिक, हिमाचल में 99.02त्र लोग साक्षर हो गए हैं। वहीं जबकि राष्ट्रीय स्तर पर साक्षरता दर अभी 80.9 फीसदी है।

अब 56960 लोग निरक्षर बचे- हिमाचल की अनुमानित आबादी लगभग 75.5 लाख है। इनमें से अब 56 हजार 960 निरक्षर बचे हैं। राज्य सरकार अब इन्हें उल्लास कार्यक्रम के तहत साक्षर बनाने का प्रयास करेगी।

साक्षरता दर बढ़ाने को लगातार जारी रहे अभियान : साल 2011 जनगणना के अनुसार, हिमाचल में साक्षरता दर 82.80 प्रतिशत थी। राज्य में सभी लोगों को साक्षर बनाने के लिए केंद्र की उल्लास योजना के तहत लोगों को साक्षर किया गया। साल 2023 से 25 के बीच 43 हजार 885 लोगों को साक्षर बनाया गया।

ऐसे तय होती है लिटरेसी

मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन के अनुसार, किसी व्यक्ति को तब साक्षर माना जाता है, जब वह साधारण शब्द पढ़ व लिख लेता हो। गणित की साधारण गणनाएं कर सकता हो। ऐसे में राज्य में यदि लोग यह कर लेते हैं, तो उन्हें साक्षर माना जाता है।

हिमाचल के लिए आज का दिन ऐतिहासिक- शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने बताया कि हिमाचल प्रदेश आज पूर्ण साक्षर राज्य बन गया है। आज का दिन हिमाचल के लिए ऐतिहासिक है। यह हम सब के लिए गौरव की बात है।

केरल का इस वजह से जिक्र नहीं- वैसे तो देश का पहला साक्षर घोषित राज्य केरल है। केरल की साक्षरता दर 95.3 प्रतिशत है। मगर केंद्र सरकार के उल्लास कार्यक्रम में अभी चार राज्य ही साक्षर स्टेट हैं।

देश में पालतू जानवरों की तस्करी बढ़ी,5 साल में 4 गुना हुई

सबसे ज्यादा मुंबई एयरपोर्ट पर स्मगलिंग; 60% मामलों में दस्तावेज अधूरे

मुंबई, एजेंसी। भारत में विदेशी पालतू जानवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इनमें विदेशी नस्ल के कुत्ते और अन्य जानवर शामिल हैं। इस मांग के कारण तस्करी में तेजी आई है, साथ ही संक्रमण का भी खतरा बढ़ा है।

पिछले 5 साल में जिंदा जानवरों का इम्पोर्ट चार गुना बढ़कर 45 हजार से ज्यादा हो गया है। इसके बावजूद इस प्रक्रिया की न तो पारदर्शी निगरानी हो रही है और न ही सरकारी जवाबदेही तय है।

जुलाई 2025 में एक पशु कल्याण कार्यकर्ता ने मुंबई एयरपोर्ट को तस्करी का केंद्र बताते हुए महाराष्ट्र सरकार को अपील भेजी थी। इसके बाद अगस्त 2025 में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने निर्देश जारी किए।

अब किसी विमान में अघोषित जीवित जानवर मिलने पर उसे तुरंत उसके देश वापस भेजा जाएगा। इसकी जिम्मेदारी एयरलाइन की होगी। साथ ही, स्टाफ को पहचान और दस्तावेज जांच की ट्रेनिंग देना अनिवार्य किया गया है।

कौन-कौन से जानवर लाए जा रहे हैं विदेश से सबसे ज्यादा पालतू कुत्ते, बिल्लियां, मकाऊ और अफ्रीकी ग्रे पैरेट जैसे दुर्लभ पक्षी, छिपकली और सांप जैसे जीव और सजावटी मछलियां भारत लाई जा रही हैं। कई बार डेयरी और प्रजनन के लिए पशुधन भी आता है।कई प्रजातियां संरक्षित हैं, जिन्हें पालतू या प्रदर्शन के लिए खरीदा जाता है। इन जानवरों के साथ एवियन फ्लू, रेबीज और निपाह जैसे रोगों का खतरा भी बढ़ता है। कई बार दुर्लभ प्रजातियों को वैध आयात के नाम पर लाया जाता है, जो तस्करी की श्रेणी में आता है।

कानूनी ढांचा और नियम भारत में विदेशी जानवरों का आयात केवल स्वास्थ्य प्रमाणपत्र और टीकाकरण रिकॉर्ड के साथ ही किया जा सकता है। एनिमल क्वारेंटाइन एंड सर्टिफिकेशन सर्विसेज (एक्यूसीएस) के नियमों के अनुसार, प्रजाति और देश के आधार पर क्वारेंटाइन अवधि तय होती है। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और साइट्स संधि के तहत संरक्षित प्रजातियों के लिए विशेष अनुमति जरूरी है।

एक्यूसीएस की समीक्षा : डीजीसीए के निर्देशों के बाद इंडिगो और एअर इंडिया ने स्टाफ के लिए विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल शुरू किए हैं। इनमें दस्तावेज जांच, जानवरों की पहचान और वापसी प्रक्रिया शामिल है। 2025 की दूसरी तिमाही में एक्यूसीएस की समीक्षा में पाया गया कि 60% मामलों में दस्तावेज अधूरे थे।

दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से नीचे, तेजी से कम हो रहा है पानी, लेकिन बीमारियों का खतरा

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान 205.33 मीटर से नीचे पहुंच गई है। इससे नदी में पानी तेजी से कम हो रहा है। हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे सामान्य मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है, जबकि दिल्ली से जल निकासी करीब चार गुना ज्यादा हो रहा है। इससे एक-दो दिन में बाढ़ प्रभावित इलाकों में जन जीवन सामान्य हो जाने की उम्मीद है। बाढ़ प्रभावित इलाके यमुना बाजार, मॉनेस्ट्री मार्केट से गाद निकाली जा रही है। लोगों के घरों में तीन-चार फुट तक गाद जमा है। इस सीजन में 4 अगस्त को यमुना का अधिकतम जलस्तर 207.48 मीटर तक पहुंचा, लेकिन तीन दिन बाद 7 अगस्त को ही स्थिति फिर से सामान्य होती नजर आई। 2023 में आई बाढ़ को देखते हुए ये माना जा रहा था कि इस बार भी जलभराव की स्थिति लंबी खिंच सकती है, लेकिन पहले से बाढ़ की तैयारियां पूरी होने के कारण स्थिति जल्दी सुधरती दिख रही है।

बाढ़ से निपटने की तैयारियां रहीं कारगर : आईटीओ सहित दिल्ली के सभी बैराज के गेट पहले ही पूरी तरह खोल दिए गए। इससे यमुना के बहाव में अवरोध नहीं पैदा हुआ। पिछली बाढ़ के लिए आईटीओ बैराज के बंद पड़े चार गेट और नदी के बहाव वाले रास्ते में दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल परियोजना के कारण पड़ी मिट्टी और निर्माण कचरा, बड़ी बाधा बने थे। इस कारण दिल्ली को बड़े पैमाने पर बाढ़ की मार झेलनी पड़ी।

आईटीओ और रिंग रोड पर नहीं बंद हुआ ट्रैफिक : आईटीओ चौराहे पर करीब दो महीने पहले सीवेज सिस्टम को नए सिरे से बदला गया। इस कारण इस बार यमुना में बाढ़ के दौरान इस जगह पर सीवेज ओवरफ्लो के कारण जलभराव नहीं हुआ। 2023 में आईटीओ चौराहे से लेकर राजघाट-सराय काले खां फ्लाईओवर तक सड़क तालाब की तरह दिखती थी। कई बार ज्यादा जलभराव के कारण इस रूट पर ट्रैफिक भी बंद करना पड़ा। इस बार यहां बिल्कुल जलभराव नहीं हुआ। इसी तरह से रिंग रोड पर इस बार करीब 20 घंटे जलभराव हुआ, लेकिन पंपों की मदद से पानी जल्द हटाया गया। इस बीच यहां से ट्रैफिक लगातार चलता रहा।

चार गुना पानी दिल्ली से हो रहा खाली: मौजूदा समय हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे करीब 40 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा, जबकि दिल्ली में ओखला बैराज से हर घंटे में एक लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा जा रहा है। इससे उम्मीद है कि सोमवार को यमुना का बहाव भी धीमा नजर आएगा। शाम 7 बजे तक यमुना का जलस्तर 205.38 दर्ज किया गया। पानी हर घंटे करीब दो सेमी नीचे खिसक रहा है।

यमुना का जलस्तर घटा ...मुश्किलें नहीं : यमुना का जलस्तर कम होने से थोड़ी राहत तो जरूर मिली है लेकिन मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। बाढ़ पीड़ितों के लिए बिना संसाधन के टेंट में रात-दिन गुजारना परेशानी का सबब बनता जा रहा है। जलस्तर कम होते ही लोग पानी में गोता लगाते हुए अपने घरों की ओर जा रहे हैं ताकि बचा हुआ सामान निकाल सकें। पीड़ितों का कहना है कि बाढ़ की वजह से जो कुछ भी था, सब बर्बाद हो चुका है। अब संसाधनों की कमी है। यमुना खादर निवासी सुमित कुमार ने बताया कि बाढ़ में सब कुछ खो दिया है। यहां तक कि जो जरूरी कागजात थे, जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड और स्कूल की मार्कशीट के साथ अन्य सभी जरूरी प्रमाण पत्र सब यमुना में बह गए। वहीं, पुराना उस्मानपुर निवासी लवकुश ने बताया कि इन टेंटों में जिंदगी बसर करना बहुत मुश्किल है। खाने से लेकर पीने के पानी तक के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। उसने कहा कि यहां कुछ एनजीओ वाले आते हैं, जो अभी मदद कर रहे हैं लेकिन यह नाकाफी है। टेंट में कुछ लोगों को खाना मिलता है कुछ को नहीं मिलता है। इसके अलावा कैंपों में चिकित्सा सेवाओं की भी कमी है।

मॉप-अप राउंड के लिए डीयू के कॉलेज आज आवंटित सीट करेंगे ऑफर, 13 सितंबर तक कर सकेंगे फीस जमा

नई दिल्ली, एजेंसी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के स्नातक कार्यक्रमों में दाखिले के लिए कॉलेज मॉप-अप राउंड को लेकर सोमवार को आवंटित सीट ऑफर करेंगे। इसकी सूचना शाम पांच बजे जारी होगी। इच्छुक उम्मीदवार आवंटित सीट को 11 सितंबर पांच बजे तक स्वीकार सकेंगे।

13 सितंबर तक कर सकेंगे फीस जमा : दाखिले के लिए फीस का भुगतान 13 सितंबर शाम पांच बजे तक किया जा सकेगा। रविवार को मॉप-अप राउंड में आवेदन की प्रक्रिया समाप्त हो गई। इस राउंड में दाखिला 12वीं के अंकों के आधार पर मिलेगा। सीयूईटी के अंकों की अनिवार्यता नहीं है।

एक से ज्यादा सीट मिलने पर क्या करें: यदि किसी छात्र को एक समय में कॉलेज से कई सीट के लिए स्वीकृति मिलती है तो उसे एक का चयन करना होगा और उसी का भुगतान करना होगा। लिंक केवल दो दिनों के लिए मान्य होगा। इसके अलावा किसी छात्र ने मॉप-अप राउंड में दाखिला लिया है और बाद में उसे कोई अन्य आवंटन प्राप्त होता है। तो वह मौजूदा दाखिला रद्द करके नए आवंटन से दाखिला ले सकता है। ऐसी स्थिति में छात्र को नए आवंटन की स्वीकृति प्राप्त होने के दो दिनों के भीतर अंतर शुल्क (यदि कोई) को जमा करना होगा। दाखिला लेते समय छात्र को कॉलेज को एक शपथ पत्र देना होगा कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए उसे विश्वविद्यालय के किसी अन्य कॉलेज में दाखिला नहीं मिला है।

गुस्से में ग्रामीण... दो दिन महापंचायत की तैयारी:दिल्ली के 360 गांवों की हुई पंचायत

नई दिल्ली, एजेंसी। देहात में यूईआर-2 पर बक्करवाला-मुंडका टोल टैक्स को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा लगातार बढ़ रहा है। रविवार को राजधानी के तीन अलग-अलग मोर्चों से टोल विरोध की आवाज बुलंद हुई। इस दौरान ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि यूईआर-2 टोल टैक्स उनके लिए अस्वीकार्य है और जब तक इसे हटाया नहीं जाएगा, विरोध और तेज होता जाएगा। बिंदापुर में 360 गांव की पंचायत आयोजित हुई। पंचायत की अध्यक्षता खाप प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने की। बड़ी संख्या में ग्रामीणों, बुजुर्गों और पंचायत प्रतिनिधियों ने इसमें हिस्सा लिया। सोलंकी ने कहा कि यह संघर्ष केवल टोल टैक्स के खिलाफ नहीं बल्कि आम जनता के हक की लड़ाई है।

पंचायत में निर्णय लिया गया कि 13 सितंबर को बक्करवाला-मुंडका टोल पर एक विशाल महापंचायत आयोजित होगी। वहीं दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव की पहल पर पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह शौकीन के निवास पर पंचायत प्रमुखों की बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से तय किया गया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उत्तर-पश्चिम दिल्ली सांसद योगेंद्र चांदोलिया और पश्चिमी दिल्ली सांसद कमलजीत सहरावत को ज्ञापन सौंपा जाए। ज्ञापन दिल्ली के कई विधायकों को भी दिया जाए। पंचायत संघ ने कहा कि दिल्लीवासी पहले ही शहर से बाहर जाते वक्त चारों दिशाओं में टोल देते हैं, अब दिल्ली के अंदर गांव से गांव जाने पर टोल देना नाइंसाफी है। पंचायत संघ नेताओं का कहना था कि यह टोल दिल्ली देहात और ग्रामीण इलाकों के विकास में बाधक है।

दिल्ली देहात मोर्चा के अध्यक्ष राजीव यादव ने बताया कि 14 सितंबर को टोल प्लाजा पर पंचायत की जाएगी। इसके लिए सभी गांवों में तमाम संगठनों की ओर से संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। यह संगठन पिछले एक महीने से इस टोल का विरोध कर रहे हैं।

स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में मददगार है फिजियोथेरेपी, चोट में भी कारगर

दिल्ली, एजेंसी। स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में फिजियोथेरेपी मददगार है। सर्जरी, चोट और बीमारी के बाद शरीर की रिकवरी में भी फिजियोथेरेपी से सहायता मिलती है। यह दावा फिजियोथेरेपिस्ट का है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल की फिजियोथेरेपी विभाग प्रमुख डॉ. पूजा सेठी ने बताया कि दिल का दौरा पड़ने के बाद जब मरीज उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती होता है तो सर्जरी के बाद शारीरिक तौर पर सक्रिय करने के लिए फिजियोथेरेपी की जरूरत होती है।

कार्डियक रिहैब कार्यक्रम के तहत हृदय को मजबूत बनाने और सहनशक्ति बढ़ाने के लिए व्यायाम प्रशिक्षण दिया जाता है। बाईपास, एंजियोप्लास्टी, हार्ट ट्रांसप्लांट की सर्जरी कराने वाले मरीजों की भी फिजियोथेरेपी होती है। तीन-चार हफ्ते मरीज को सामान्य होने में लगते हैं। मल्टीपल स्कारलेसिस, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी और स्ट्रोक होने पर भी फिजियोथेरेपी की मदद से मरीज को चलने-फिरने के काबिल बनाया जा सकता है। उसके लिए मरीज को अलग-अलग व्यायाम कराएं जाते हैं।

उन्होंने बताया कि फिजियोथेरेपिस्ट आपकी शक्ति, संतुलन, समन्व्य और लचीलापन बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत व्यायाम कार्यक्रम तैयार करने में विशेषज्ञ होते हैं। इसमें कुछ व्यायाम ऐसे होते हैं जिन्हें घर पर भी आसानी से किया जा सकता है। इसमें कुर्सी से बैठने और खड़े होने के व्यायाम में स्क्वैट्स करना, खड़े होकर वस्तुओं तक पहुंचना, विभिन्न दिशाओं में कदम उठाना, अलग-अलग गति और परिस्थितियों में चलना शामिल है। इसके अलावा जमीन से उठना, चलना, योग और संतुलन बढ़ाने वाले व्यायाम भी लाभदायक होते हैं। वैश्विक तौर पर 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 12 फीसदी लोगों में कमजोरी का मूल्यांकन किया गया है। लगभग 46 फीसदी लोगों में कमजोरी की पूर्व अवस्था मिली। इस कमजोरी को भी फिजियोथेरेपी की मदद से दूर किया जा सकता है।

रोबोटिक स्कैनिंग लेजर से मिलेगी थेरेपी : डॉ. पूजा सेठी बताया कि अस्पताल में आठ सितंबर को रोबोटिक स्कैनिंग लेजर और डीप ऑसिलेशन थेरेपी का शुभारंभ किया जा रहा है। रोबोटिक स्कैनिंग लेजर के जरिये पूरे शरीर की स्क्रीनिंग कर सकेंगे। इससे शरीर के दर्द वाले हिस्से की पहचान में मदद मिलेगी और लेजर से थेरेपी दी जा सकेगी। साथ ही मरीजों के लिए डीप ऑसिलेशन थेरेपी सुविधा की शुरुआत की जा रही है। इस प्रक्रिया में सेल को वाइब्रेट करके सूजन को कम किया जाएगा।

देवरानी की गला घोंटकर हत्या में पांच साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। देवरानी की गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में एक महिला पांच साल तक पुलिस को चकमा देती रही। अब आखिर अपराध शाखा की टीम ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पहचान बदायूं, यूपी निवासी कौशल्या देवी के रूप में हुई है। पुलिस इससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।वर्ष 2019 में कौशल्या ने अपने पति व देवर के साथ मिलकर देवरानी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में कौशल्या के पति राम अवतार और देवर ब्रह्म सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। कौशल्या फरार हो गई थी। इस दौरान यह कई राज्यों में छिपती रही। अब पुलिस ने इसे दिल्ली के गांधी नगर इलाके से गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में नीरज (23) नामक महिला की उसके घर में गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में इसे आत्महत्या का रंग देने का प्रयास किया गया, लेकिन बाद में पोस्टमार्टम से हत्या की बात साफ हुई। पुलिस ने नीरज के परिजनों के बयान पर हत्या, दहेज प्रताड़ना समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।

मामले में पुलिस ने नीरज के पति ब्रह्म सिंह, कौशल्या के पति राम अवतार को दबोच लिया। इस बीच कौशल्य फरार हो गई। जांच के दौरान कौशल्या के मध्य प्रदेश में छिपे होने का पता चला। दिल्ली की अदालत ने 23 मार्च 2023 को कौशल्या को भगोड़ा घोषित कर दिया। इस बीच महिला दिल्ली के गांधी नगर इलाके में छिपकर रहने लगी। कौशल्या को गांधी नगर से पुलिस ने दबोच लिया। वह सिलाई की फैक्टरी में मजूदूरी कर रही थी।

अमेरिकी पुलिस ने महिला अधिकारी को चाकू घोंपकर भाग रहे हमलावर को गोलियों से भूना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका पुलिस ने एक महिला पुलिस अधिकारी को चाकू घोंपकर भाग रहे हमलावर को बीच सड़क गोलियों से भून दिया। यह घटना रविवार तड़के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन बरो के ब्राउन्सविले सेक्शन में 73वें प्रीसिंक्ट स्टेशन हाउस के पास हुई। पुलिस अधिकारियों ने हमलावर की आयु 35 वर्ष बताई है, लेकिन उसकी पहचान का खुलासा नहीं किया।

एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार न्यूयॉर्क पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी फिलिप रिवेरा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महिला पुलिस अधिकारी पर हमला सुबह लगभग 5:24 बजे हुआ। हमलावर चाकू के साथ पुलिस स्टेशन के गोपनीय द्वार से दाखिल हुआ। रिवेरा ने बताया कि महिला अधिकारी ने उसे पूछताछ के लिए बुलाया, तो उसने 14 इंच के चाकू से हमलाकर दिया और इसके बाद थाने से निकलकर भाग गया।

रिवेरा के अनुसार कई पुलिस अधिकारियों ने सड़क पर संदिग्ध का पीछा किया और उसे बार-बार ललकारा। एक समय ऐसा आया जब संदिग्ध ने एक अधिकारी पर चाकू तान दिया। यह देखकर अधिकारियों ने गोलियों की बौछार कर दी। रिवेरा के अनुसार संदिग्ध को ब्रुकलिन के ब्रुकडेल अस्पताल मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस बेनेवोलेंट एसोसिएशन यूनियन के अध्यक्ष पैट्रिक हेंड्री ने बयान में कहा कि शुक्र है कि हमारी बहन अब ठीक हो रही है, लेकिन यह न्यूयॉर्क शहर के पुलिस अधिकारियों पर एक स्पष्ट लक्षित हमला था।

रूस के साथ सौदा करने वाले देशों पर सख्ती सही, भारत पर ट्रंप के मनमाने टैरिफ को जेलेंस्की का समर्थन

कीव, एजेंसी। 6 अगस्त की रात रूस ने यूक्रेन पर युद्ध का अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। इसके बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस से व्यापार जारी रखने वाले देशों पर टैरिफ और अन्य सख्त प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की से पूछा गया कि चीन में पीएम नरेंद्र मोदी, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात को लेकर उनका क्या कहना है और क्या उन्हें लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर टैरिफ लगाने की योजना उलटी पड़ सकती है इस पर जेलेंस्की ने कहा, रूस के साथ सौदे जारी रखने वाले देशों पर टैरिफ लगाना सही विचार है।

रूस की आक्रामकता को रोकने के लिए ठोस कदम जरूरी: जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पोस्ट करते हुए कहा कि रूस की आक्रामकता को रोकने के लिए केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि ठोस कदम जरूरी हैं। उन्होंने कहा, रूस और उससे जुड़े व्यक्तियों पर सख्त प्रतिबंध, टैरिफ और व्यापार पर रोक लगनी चाहिए। रूस को आर्थिक रूप से नुकसान महसूस होना चाहिए, तभी दुनिया को असली नतीजे दिखाई देंगे।

यूक्रेन पर रूस का सबसे बड़ा हमला: इसी बीच रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 800 से ज्यादा ड्रोन और 13 मिसाइलें दागी गईं, जिनमें 4 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं। इसके कारण राजधानी कीव में 11 घंटे तक लगातार एयर-रेड सायरन बजते रहे। वहीं इस हमले में कई आवासीय इमारतों पर ड्रोन हमले हुए, जिनमें एक बच्चे समेत कम से कम दो लोगों की मौत हो गई।

जेएनयू में तेंदुए की तलाश, परिसर में लगा पिंजरा

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में तेंदुए को लेकर तलाश जारी है। शनिवार को वन विभाग की टीम ने जेएनयू परिसर में पिंजरा और कैमरा ट्रैप लगा दिया है। जिससे तेंदुए को पकड़ा जा सके। हालांकि जेएनयू प्रशासन वन विभाग के हवाले से तेंदुए की मौजूदगी को लेकर पहले ही इन्कार कर चुका है। मगर, वन विभाग किसी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहता है। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर पिंजरा और चार कैमरा ट्रैप लगाए हैं। जिससे तेंदुए के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। हालांकि अभी तक तेंदुआ होने को लेकर कोई पुष्टि नहीं हुई। लेकिन जेएनयू परिसर में बड़ी तादाद में छात्र रहते हैं। ऐसे में किसी प्रकार का कोई जोखिम नहीं ले सकते हैं। दो कैमरे गोदावरी हॉस्टल के पास दो कैमरे अरावली गेस्ट हाउस के आसपास लगाए हैं। पिंजरा, कैमरा ट्रैप के अलावा चार सदस्यों की टीम भी वहां पर मौजूद है। अगर कुछ होगा तो एक-दो दिन में स्पष्ट हो जाएगा। दरअसल, कावेरी हॉस्टल के एक छात्र ने अरावली गेस्ट हाउस के पास परिसर में शुक्रवार देर रात को तेंदुआ देखने का दावा किया था। यह छात्र वाइल्डलाइफ पर काम करता है। छात्र बिल्ली और कुत्तों को फीडिंग भी कराता है। छात्र का दावा था कि तेंदुए के आने पर परिसर के कुत्ते और बिल्ली छिप गए थे। इसके बाद तेंदुए की सूचना पर जेएनयू में हड़कंप मच गया।

फॉर्च्यूनर से दिल्ली पुलिस के एएसआई को कुचलने की कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। नजफगढ़ इलाके में फॉर्च्यूनर कार सवार ने दिल्ली यातायात विभाग में तैनात सहायक उप निरीक्षक उमेद सिंह के साथ हाथापाई की और उन्हें कार से कुचलने की कोशिश की। भागने के दौरान आरोपी ने कार से उन्हें हिट कर भाग गया। पीड़ित पुलिसकर्मी का मेडिकल करवाने के बाद पुलिस ने उनके बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस भागे हुए कार चालक की पहचान करने में जुटी है। जानकारी के मुताबिक यातायात पुलिस में सहायक उप निरीक्षक के पद पर कार्यरत उमेद सिंह की तैनाती नजफगढ़ ट्रैफिक सर्किल में है। नजफगढ़ में दर्ज प्राथमिकी में उमेद सिंह ने बताया कि 5 सितंबर को उनकी तैनाती नजफगढ़ साई मंदिर के अर्बन एक्सटेंशन रोड के नीचे थी। उनके साथ हवलदार मंजीत और सिपाही वजीर थे। तीनों अलग अलग जगह पर ट्रैफिक का डाइवर्जन करवा रहे थे। आगे जाम होने से अर्बन एक्सटेंशन रोड के नीचे की गाड़ियों को साई बाबा मंदिर की ओर भेज रहे थे। आरोप है कि शाम करीब 6.55 बजे फॉर्च्यूनर कार को चालक उनके ड्यूटी प्वाइंट पर लेकर आया और सामने लगा दी। चालक को उन्होंने साई बाबा मंदिर की ओर जाने के लिए कहा, हिंदू संगठनों के लोगों ने मौके से चार लोगों को पकड़ा था। पुलिस ने चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने धर्मांतरण कराने की बात कबूल कर ली। शनिवार शाम को चारों पर धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

इसपर चालक कार से नीचे उतरकर उनके पास आया और उनके गिरेबान को पकड़ लिया। आरोपी चालक उनके साथ गाली गलौज और हाथापाई की। इसके बाद चालक कार में सवार होकर उनको कुचलने की कोशिश करता हुआ अपनी कार निकाल कर ले गया। कार की चपेट में आने से वह घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस उनको राव तुलाराम अस्पताल में लेकर गई। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने घटना की पुष्टि की है और घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी चालक की पहचान करने की बात कही है।

यूक्रेन पर रूस के ताजा हमले से अमेरिका में हलचल, ट्रंप ले सकते हैं बड़ा फैसला

कीव (यूक्रेन /वाशिंगटन (अमेरिका), एजेंसी। रूस के यूक्रेन पर अब तक के सबसे बड़े हमले से वाशिंगटन में हलचल तेज हो कि यूरोपीय संघ और अमेरिका दोनों मिलकर क्या कर सकते हैं। हम रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं, लेकिन हमें अपने यूरोपीय सहयोगियों को भी साथ लाने की ज़रूरत है।

अमेरिकी दूतावास ने हमले की निंदा की: इस हमले पर कीव स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक बयान जारी कर हमले में एक मां और एक शिशु की बेवजह हत्या और अभूतपूर्व पैमाने पर विनाश की निंदा की है। यूक्रेन के लिए ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलॉग ने भी सोशल मीडिया पर लिखा- किसी भी युद्ध में खतरा तनाव का बढ़ना होता है। ऐसा लगता है कि रूस युद्ध को और बढ़ा रहा है। इस युद्ध का सबसे बड़ा हमला कीव स्थित कैबिनेट के कार्यालय पर हुआ है। केलॉग ने इसके लिए रूस को चेताया भी है।

रिपब्लिकन और डेमोक्रेट बोले- कार्रवाई का वक्त आ गया: इस हमले पर कैपिटल हिल में कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस (आर-एनसी) ने सोशल मीडिया पर लिखा- राष्ट्रपति ट्रंप तीन हफ्ते पहले पुतिन से मिले थे। तब से, पुतिन अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने के लिए अपने साथी सत्तावादियों से मिले हैं। फिर वह अपने अवैध आक्रमण की शुरुआत के बाद से यूक्रेन पर सबसे बड़े हवाई हमले को मंजूरी देने के लिए मॉस्को लौट आए। अब इस झूठे और हत्यारे को रोकने का समय आ गया है। सीनेटर जॉन कॉर्निन (रिपब्लिकन-टेक्सास) ने भी इसी भावना को दोहराया। विदेश नीति पर अग्रणी डेमोक्रेट सीनेटर जीन शाहीन (डेमोक्रेट-न्यू हैम्पशायर) ने रूस तुरंत प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है।

उन्होंने जोर देकर कहा- पुतिन ने निर्दोष यूक्रेनियों पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। जब तक ट्रंप कार्रवाई नहीं करते, ये हमले जारी रहेंगे। अब और समय सीमा नहीं बढ़नी चाहिए। रिपब्लिकन कांग्रेसी ब्रायन फिट्ज़पैट्रिक (रिपब्लिकन-पेंसिल्वेनिया) ने इस हमले को आतंकवादी कृत्य बताया। उन्होंने कहा, यह सैन्य रणनीति नहीं है। यह आतंक है। जानबूझकर और सोची-समझी रणनीति। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने रविवार को रूस के देश पर अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद कैबिनेट भवन के अंदर हुई तबाही दिखाई। इस हवाई हमले में कीव के मध्य भाग में चार लोग मारे गए हैं। स्विरीडेंको ने कहा, पूर्ण आक्रमण की शुरुआत के बाद पहली बार रूसियों ने कैबिनेट भवन पर हमला किया, जहां हमारी पूरी टीम काम करती है।सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ। आग बुझा दी गई है। रूसी आतंक सरकार के काम को नहीं रोक पाएगा।

स्विरीडेंको ने कहा-रूस शांति नहीं चाहता: यूक्रेन की आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, रात भर चले हमलों में 44 से अधिक लोग घायल हुए हैं। कीव में ऊंची आवासीय इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। स्विरीडेंको ने कहा कि इस हमले से मॉस्को के असली इरादे जाहिर हो गए हैं। उन्होंने कहा, यह साफ है कि रूस शांति नहीं चाहता। उन्होंने यूक्रेन के सहयोगियों से समर्थन बढ़ाने का आह्वान किया और सर्दियों से पहले और और ज्यादा वायु रक्षा प्रणालियां मुहैया कराने और रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, अब कार्रवाई का समय आ गया है। यूक्रेन को अपने आकाश और ऊर्जा ढांचे की रक्षा के लिए और अधिक वायु रक्षा प्रणालियों की आवश्यकता है।

जेलेंस्की ने कहा-युद्ध लंबा खिंचेगा: यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह हमला युद्ध को और लंबा खींच देगा। मॉस्को अब पूर्ण युद्ध के अपने चौथे वर्ष में है। अमेरिका के शांति स्थापित करने के प्रयासों के बावजूद लड़ाई समाप्त करने के लिए कठोर शर्तों पर जोर दे रहा है। उधर, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने यूक्रेन पर रूस के हवाई हमलों की निंदा करते हुए कहा कि इन हमलों से पता चलता है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति के प्रति गंभीर नहीं हैं। स्टारमर ने एक बयान में कहा, मैं कीव और पूरे यूक्रेन में हुए इस क्रूर हमले से स्तब्ध हूं।

स्वच्छता एवं सेवा पखवाड़ा पूरे उत्साह से मनाएं: मुख्यमंत्री

त्यौहार और स्वच्छता सेवा पखवाड़ा साथ-साथ मनाएं: मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता और सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से इसका शुभारंभ होगा तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिवस पर पखवाड़े का समापन होगा। अभियान का शुभारंभ करने के लिए प्रधानमंत्री जी 17 सितम्बर को मध्यप्रदेश आ रहे हैं। पखवाड़े के दौरान 17 से 24 सितम्बर तक रक्तदान शिविर लगाएं। इसी अवधि में निरूशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविरों का भी आयोजन किया जाएगा। पखवाड़े में नगरीय विकास विभाग स्वच्छता के विशेष प्रयास करके नगरीय निकायों में सार्वजनिक स्थलों तथा पूरे नगर की साफ-सफाई के लिए अभियान चलाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के प्रत्येक आयोजन में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को शामिल करें। पखवाड़े के दौरान महिला सशक्तिकरण तथा दिव्यांगों के कल्याण के लिए विशेष प्रयास करें। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नए स्थलों पर पौधे रोपित करके नमो वन और नमो उपवन तैयार कराएं। पखवाड़े में ही 27 सितम्बर को संभागीय मुख्यालयों में नमो मैराथन का आयोजन किया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग इसके लिए समुचित तैयारी करे। पखवाड़े की अवधि में खादी, हस्तशिल्प, स्वसहायता समूहों के उत्पादों तथा स्वरोजगार के बढ़ावा देने के लिए विभिन्न आयोजन करें। उच्च शिक्षा विभाग चित्रकला तथा अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित करके विकसित भारत का संदेश लोगों तक पहुंचाएं। स्वच्छता और सेवा पखवाड़े की प्रत्येक गतिविधि का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। त्यौहारों के साथ-साथ हम स्वच्छता और सेवा पखवाड़ा मनाएंगे। मुख्यमंत्री ने 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाए जा रहे आदि सेवा पर्व के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें शामिल 7 विभाग निर्धारित गतिविधियों को पखवाड़े की अवधि में अंजाम दें।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक त्यौहारों के दौरान कानून और व्यवस्था चाक-चौबंद रखें। बाढ़ तथा अन्य प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों को राहत राशि का वितरण कराएं। खाद के वितरण की समुचित व्यवस्था करें। कुछ क्षेत्रों में फसलों में पीला मोजेक के प्रकोप की सूचनाएं मिल रही हैं। प्रमुख सचिव कृषि इसके उत्थान के लिए समुचित प्रबंध करें।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, सीईओ जिला पंचायत अंशुमन राज, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बाइक की टक्कर से गर्भवती गाय घायल, इलाज जारी; नशे में धुत युवक की लोगों ने की पिटाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बैढ़न थाना क्षेत्र में रिलायंस चौराहे पर एक गंभीर घटना सामने आई। रविवार रात करीब 10:30 बजे एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने सड़क पर बैठी गर्भवती गाय को टक्कर मार दी।

स्थानीय निवासी राजेश कुमार के अनुसार, टक्कर के बाद गाय के मुंह से काफी खून निकलने लगा। गाय गर्भवती थी। मौके पर मौजूद लोगों ने बाइक सवार की पिटाई कर दी। बाइक सवार नशे में था और पूछताछ के दौरान अलग-अलग पहचान बता रहा था।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और पशु चिकित्सालय को सूचना दी। डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को अपने साथ ले गई। पशु चिकित्सालय की टीम भी मौके पर पहुंची और घायल गाय को उपचार के लिए ले गई।

बैढ़न थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं आम हैं क्योंकि सड़कों पर अक्सर पशु बैठे रहते हैं, जिससे दुर्घटनाएं होती हैं।

खाद के लिए कई दिनों से लग रही लाइन, किसान हो रहे परेशान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। चाकघाट क्षेत्र के किसानों को इस समय खाद की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। खेतों में खाद की आवश्यकता के चलते किसानों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल पा रही है। नगर परिषद चाकघाट कार्यालय के पैसे प्रांगण में किसानों की लंबी लाइन लगी हुई है, जहां वे खाद प्राप्त करने के लिए घंटों इंतजार कर रहे हैं। आज उन किसानों को माइक से बुलाया जा रहा है, जिन्होंने 4 सितंबर को नाम दर्ज कराया था। उन्हें आज 8 सितंबर को टोकन मिल रहा है, जिसके बाद उन्हें खाद मिलेगी। लेकिन इस प्रक्रिया में किसानों को टोकन के लिए और नाम दर्ज करने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। कई किसानों ने हमारे संवाददाता को बताया कि वे लोग चार-पांच दिनों से लगातार खाद के लिए आ रहे हैं, किंतु उन्हें समय पर खाद नहीं मिल पा रही है।

यूरिया खाद की यह समस्या इस अंचल में पहली बार देखने को मिल रही है। यहां पुरुषों के साथ महिलाएं भी लाइन में लगकर खाद प्राप्त करने का प्रयास कर रही हैं। चिलचिलाती धूप में, जहां किसी तरह की छाया और पीने के लिए पानी की व्यवस्था नहीं है, ऐसे स्थान में धूप के नीचे खड़े किसान अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि इस बार खाद इतनी विलंब से मिल रही है कि उन्हें केवल दो बोरी खाद ही मिल पा रही है, जो उनकी फसल के लिए पर्याप्त नहीं है। खेतों को आवश्यकता अनुसार खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे धान की खड़ी फसल सूखने के कगार पर आ गई है। किसानों ने बताया कि खाद की कमी के कारण उनकी फसलें प्रभावित हो रही हैं। यदि उन्हें समय पर खाद नहीं मिली, तो उनकी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। इस स्थिति ने किसानों में भारी चिंता और असंतोष पैदा कर दिया है।

किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और उन्हें समय पर खाद मुहैया कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। इस समस्या पर चर्चा करते हुए, स्थानीय कृषि अधिकारियों ने कहा कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से ले रहे हैं और जल्द ही खाद की आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे। लेकिन किसानों का कहना है कि उन्हें अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिखाई दी है।

किसानों ने यह भी बताया कि खाद के लिए लाइन में खड़े होने के दौरान कई बार उन्हें धूप में खड़े रहना पड़ता है, जिससे उनकी सेहत पर भी असर पड़ता है। कई किसानों ने यह भी कहा कि उन्हें अपने छोटे बच्चों को घर पर छोड़कर आना पड़ता है, जिससे परिवार की अन्य जिम्मेदारियों का बोझ भी बढ़ जाता है। इस प्रकार, चाकघाट में खाद की कमी और किसानों की परेशानियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कृषि क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है। प्रशासन को चाहिए कि वे इस समस्या का समाधान करें ताकि किसानों को राहत मिल सके और उनकी फसलें सुरक्षित रह सकें।

दुकान से नकद समेत 35 हजार की चोरी, चोर ने शराब पीकर वारदात को दिया अंजाम; एक महीने में 12 से ज्यादा वारदातें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला ग्राम नंदनपुर का है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात चोरों ने एक दुकान को निशाना बनाया। चोरों ने पहले दुकान में रखी पांच बोतल शराब पी। फिर दुकान से नगदी और सामान चुराकर फरार हो गए।

पीड़ित बोले-35 हजार रुपए का नुकसान: पीड़ित दुकानदार ध्रुव नारायण द्विवेदी ने बताया कि उनकी दुकान से करीब 35 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। इसमें 10 हजार रुपए की नगदी भी शामिल है। सुबह जब वह दुकान पहुंचे तो ताले टूटे हुए थे। दुकान का सामान गायब था। उन्होंने तुरंत डायल 112 और अमिलिया पुलिस को सूचना दी। दुकानदार को सुनील पटेल और प्रदीप पटेल पर संदेह है।

जिले में पिछले एक महीने में 12 से अधिक घरों में चोरी: इस क्षेत्र में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ रही हैं। ग्राम सोनवर्षा के उमर मोहम्मद के घर में पिछले सप्ताह चोरी हुई। साकेत बस्ती में दो घरों में चोरी का प्रयास किया गया। ग्रामीणों के अनुसार पिछले एक महीने में चोरों ने 12 से अधिक घरों को निशाना बनाया है।

पुलिस कार्रवाई धीमी, घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल: अमिलिया थाना प्रभारी राकेश बैस ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। हालांकि, उनका कहना है कि थाना क्षेत्र में अब तक केवल 3-4 चोरी की घटनाएं हुई हैं।

वेतन वृद्धि की मांग पर कोटेदारों की हड़ताल, 335 दुकानदारों ने बंद किया काम; 7 लाख लोगों को राशन नहीं

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में सहकारिता विभाग के 335 कोटेदारों ने हड़ताल शुरू कर दी है। इससे जिले के 7 लाख से अधिक लोगों को सितंबर माह का सरकारी राशन नहीं मिल पाएगा।

जिले में करीब 10 लाख लोग पीडीएस का अनाज प्राप्त करते हैं। इनमें से 3 लाख लोगों को शहरी क्षेत्र के कमीशन आधारित दुकानदार राशन देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में राशन वितरण पूरी तरह कोटेदारों पर निर्भर है।

मध्य प्रदेश सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ के सिंगरौली जिला अध्यक्ष हिमांशु पाठक के अनुसार, वेतन वृद्धि की मांग लंबे समय से की जा रही है। समिति के विक्रेताओं को 5-6 महीने से वेतन नहीं मिला है। उनकी मांग है कि वेतन हर माह एक निश्चित तिथि को मिले।

कोरोना काल में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत वितरित राशन का कमीशन भी सिंगरौली में अभी तक नहीं मिला है। साथ ही, शासकीय राशन दुकानदारों का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन नहीं होने से खाद्यान्न वितरण में समस्याएं आ रही हैं।

सहकारिता विभाग के अपर आयुक्त पीके मिश्रा ने कहा कि प्रभावित आबादी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है। चूंकि यह प्रदेश स्तरीय आंदोलन है, इसलिए स्थानीय स्तर पर ज्यादा कुछ नहीं किया जा सकता।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर जिले में आयोजित किये गये कार्यक्रम

मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन 20 सितंबर को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर जिले में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भारत सरकार के निर्देशानुसार वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुसार प्रदेश को शत प्रतिशत साक्षर करने हेतु ''उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम'' जन-जन साक्षर की भावना से 2022 से 2027 तक संचालित किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर कार्यक्रम अंतर्गत जिले में विद्यालयों एवं सामजिक चेतना केन्द्रों में साक्षरता रैली निकाली गई तथा छात्र-छात्राओं, स्वयं सेवकों एवं अक्षर साथियों ने साक्षरता संबंधी शपथ ली।

साक्षरता जागरूकता बढ़ाने एवं शिक्षा के महत्व को आमजन तक पहुचाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के निर्देशन में सम्पूर्ण जिले में साक्षरता रैली का आयोजन किया गया। साक्षरता रैली का आयोजन प्रत्येक विद्यालय स्तर पर पूरे जिलें में किया गया। साक्षरता रैली के माध्यम से लोगों को शिक्षा से जुड़ने एवं स्वयं पढ़े औरों को पढ़ाएं का संदेश दिया गया। तख्ती पर लिखे नारों एवं पोस्टर बैनर के माध्यम से लोगों को ''उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम'' की आवश्यकता एवं महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही 15 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को जो औपचारिक शिक्षा से वंचित रहे है उनका पंजीयन करने तथा उन्हे सामाजिक चेतन केंद्रों से जुड़कर शिक्षा प्राप्त करने हेतु समझाइस दी गई।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर विद्यालयों में नारे लेखन, निबंध लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्र/छात्राओं ने अपनी सहभागिता दी। साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 20 सितम्बर 2025 को मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। साक्षरता दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में इसकी जानकारी दी गई तथा ज्यादा से ज्यादा नव साक्षरों को परीक्षा में सम्मिलित कराये जाने की बात कही गई।

उक्त आयोजनों में सभी शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों के छात्र/छात्राओं शिक्षको, एम.एड., बी.एड., डी.एल.एड आदि के प्रशिक्षणार्थी, समुदाय के सदस्यों, गृहणियों, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, पंचायती राज संस्थाओं, जन शिक्षण संस्थान, अन्य विभागों के स्व सहायता समूहों के शिक्षित कार्यकर्ता, सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी एवं जन प्रतिनिधियों आदि का सहयोग लिया गया।

शिकायतों का समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर कोई उदासीनता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जावेगी। संबंधित एल1 एवं एल2 अधिकारियों के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर ने सभी विभागों को गत दो महीनों की तरह ए ग्रेड प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया है। कलेक्टर ने कहा कि माह जुलाई एवं अगस्त में शिकायतों के निराकरण में अच्छी प्रगति हुई है। हमें इसे सतत रूप से जारी रखना है। कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम हेतु चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं।

खाद विक्रय की सतत निगरानी रखने के निर्देश: कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को खाद विक्रय की स्थिति में सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि खाद उपलब्धता की जानकारी पूरी पारदर्शिता के साथ किसानों को उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उपलब्ध खाद का विक्रय पूरी निष्पक्षता के साथ किया जाए। कलेक्टर ने खाद की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सभी विभागों को भू-अर्जन तथा भू-आवंटन से संबंधित कार्यवाहियां समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्ट्रेट से बस स्टैंड तक फैला अतिक्रमण, लोग बोले- नगर निगम में शिकायत की; लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। कलेक्ट्रेट भवन से बस स्टैंड तक की सड़कें अतिक्रमण की चपेट में हैं। नगर निगम कार्यालय कलेक्ट्रेट के पास होने के बावजूद स्थिति नियंत्रण में नहीं है।

बैढ़न बस स्टैंड के पास मल्हार पार्क से काली मंदिर रोड तक सब्जी व्यापारियों ने सड़क पर कब्जा कर रखा है। इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रुक गई है।

शहर के प्रमुख स्थलों पर यातायात की स्थिति खराब है। अंबेडकर चौक, मस्जिद तिराहा, टॉकीज तिराहा, कॉलेज तिराहा, थाना रोड, काली मंदिर मार्ग और तुलसी मार्ग पर दोपहिया वाहन चलाना भी कठिन हो गया है।

स्थानीय व्यापारी बृजेश शुक्ला के अनुसार, उन्होंने कई बार नगर निगम में शिकायत की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। निवासी चंद्रशेखर गौतम ने बताया कि बस स्टैंड क्षेत्र में पैदल चलना भी मुश्किल है।

नगर निगम की नई आयुक्त सविता प्रधान ने दैनिक भास्कर को बताया कि वे अतिक्रमण हटाने की योजना बना रही हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही सड़कों और सार्वजनिक स्थानों से अतिक्रमण हटाया जाएगा।

ऋषिकेश रत्न अलंकरण में 50 कलाकारों का सम्मान, पद्मश्री अर्जुन सिंह धुर्वे की मौजूदगी में पारंपरिक कला को मिली पहचान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उत्कृष्ट विद्यालय में स्वर्गीय न्यायाधीश ऋषि तिवारी की स्मृति में सोमवार को ऋषिकेश रत्न अलंकरण समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में पद्मश्री लोक कलाकार अर्जुन सिंह धुर्वे मुख्य अतिथि रहे। गांधीवादी चिंतक संतोष कुमार द्विवेदी ने अध्यक्षता की।

समारोह में करीब 50 कलाकारों को ऋषिकेश रत्न अलंकरण से सम्मानित किया गया। इनमें मूर्तिकार, बांस शिल्पकार, मृदा शिल्पकार, चर्म शिल्पी, गायक, वाद्ययंत्र वादक, पाककला विशेषज्ञ और चित्रकार शामिल थे। नौ विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न भी दिए गए।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं। नन्हे लाल घासी के नेतृत्व में गुदुम बाजा नृत्य हुआ। 93 वर्षीय शम्भू प्रजापति ने कोहराई कबीर गायन किया। शिवबालक बैगा ने नकसुर वादन प्रस्तुत किया। सृजन मिश्रा और श्लोक तिवारी ने हारमोनियम-तबले की संगत पर भजन गायन किया।

सेवानिवृत्त अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुनील मिश्रा, व्यवहार न्यायाधीश शुभांशु ताम्रकार, काष्ठ कलाकार दलपत सिंह बीजापुरी और लोक गायिका भागवती रठुड़िया विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। यह आयोजन भारतीय पारंपरिक ज्ञान और कला को सम्मान देने का प्रयास है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय मूल्यों और रचनात्मकता से जोड़ना है।

अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाएं

पश्चिम बंगाल की विधानसभा में संविधान, लोकतंत्र, गरिमा, मर्यादा को तार-तार किया गया। क्षोभ और शर्मिंदगी के कोई और शब्द हैं, तो उनका उल्लेख भी किया जा सकता है। यह न तो संघीय ढांचा है और न ही अभिव्यक्ति की आजादी है। हम जानते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समविचारक नहीं होंगी। जब वह लोकसभा सांसद थीं, तब ऐसा हुड़दंग मचाया था कि स्पीकर सोमनाथ चटर्जी पर बिल के टुकड़े-टुकड़े कर उछाल दिए थे। तब उन्होंने बंगाल में घुसपैठियों के मुद्दे पर अपना नकारात्मक आक्रोश, रोष व्यक्त किया था। आज भी वही मुद्दा है, लेकिन आज वह खुद मुख्यमंत्री हैं। आज राजनीति के कारण उनके सुर और रवैये बदल चुके हैं। आज ममता बनर्जी बांग्लादेशी घुसपैठियों की अवधारणा मानती ही नहीं। उन्होंने 'बांग्लाभाषी' और 'प्रवासी बंगाली' सरीखे नए शब्द गढ़ लिए हैं और केंद्र सरकार पर 'बंगालियों पर अत्याचार' के आरोप मढ़ रही हैं। ममता बनर्जी ऐसी पहली मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने विधानसभा में चीख-चीख कर नारे लगाए हैं-'मोदी चोर, वोट चोर, अमित शाह चोरज्भाजपा डकैतों, आतंकियों, अत्याचारियों की पार्टी है।' यह दुखद ही नहीं, बेशर्मी और नालायकी है, दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक मुख्यमंत्री ने सदन में ही देश के प्रधानमंत्री को 'चोर, डकैत, अत्याचारी' करार दिया है। अफसोस और विडंबना यह है कि ऐसे गालीबाज मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई संवैधानिक कार्रवाई नहीं की गई है और न ही हमें ऐसी कोई संभावना लगती है। क्या देश का प्रधानमंत्री ऐसा किरदार बना दिया गया है, जिसके खिलाफ तमाम मर्यादाओं और संवैधानिक आचरणों की हदें लांघी जा सकती हैं? क्या संविधान में ऐसे भी अनुच्छेद हैं, जिनके तहत प्रधानमंत्री को, कोई भी, किसी भी मौके पर, गालियां देकर अपमानित कर सकता है? यह निरंकुशता लोकतांत्रिक और संघीय भी नहीं है। 'वोट चोर' कुछ हद तक राजनीतिक और चुनावी मुद्दा हो सकता है, लेकिन ये शब्द भी आपत्तिजनक और अश्लील हैं। अब चुनाव आयोग 10 सितंबर को सभी क्षेत्रीय मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ देश भर में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण को लेकर विमर्श करेगा।

संपादकीय

जाहिर है कि बिहार वाली प्रक्रिया बंगाल में भी हो सकती है, क्योंकि अप्रैल, 2026 के आसपास वहां विधानसभा चुनाव होने हैं। असम, तमिलनाडु, पांडिचेरी, केरल आदि राज्यों में भी 2026 में चुनाव हैं। कौन-कौन, मतदाता संशोधन की इस कवायद के मद्देनजर प्रधानमंत्री को 'चोर' कहेगा? क्या इस संवैधानिक प्रक्रिया पर प्रधानमंत्री और चुनाव आयोग को, ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस, 'चोर' करार देते हुए विरोध प्रकट करेगी? बंगाल में हिंसक प्रदर्शन भी किए जाएंगे? एक राज्य में अराजकता फैलाने की बौनी राजनीति खेली जाएगी? बेशक सदनों की गरिमा और उनके चरित्र को इतना खंडित न किया जाए कि पक्ष और विपक्ष के निर्वाचित सदस्य हाथापाई करें, मारपीट तक की नौबत आ जाए और सदस्यों को जमीन पर ही चित पटकनी दे दी जाए।

जगाने वाली चेतावनी

डा. राकेश कपूर

2025 की दक्षिण-पश्चिम मानसून ने देश के कई हिस्सों में तबाही ला दी है। अब तक की वर्षा सामान्य से अधिक रही है और कई चरम मौसम की घटनाओं की रिपोर्ट भी मिली है। पहाड़ी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश जैसे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। साथ ही पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश व बिहार के कुछ हिस्सों में भी व्यापक नुकसान देखने को मिला है। दक्षिणी राज्यों के कई शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी भारी वर्षा दर्ज की गई। इसके परिणामस्वरूप जान-माल का भारी नुकसान हुआ है- बादल फटने, बाढ़, भूस्खलन और मिट्टी के प्रवाह की घटनाओं ने कई लोगों की जान ले ली है, निजी संपत्ति और सार्वजनिक अवसंरचना का नुकसान भी भारी है। पुल ध्वस्त हुए, बांध टूटे, नवनिर्मित राष्ट्रीय राजमार्ग ध्वस्त हो गए, और जल विद्युत परियोजनाएं गंभीर जोखिम की शिकार हुईं। परिवहन मार्ग बाधित हुए और कृषि क्षेत्र को भी भारी क्षति का सामना करना पड़ा। और संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि यह प्रवृत्ति जारी रहेगी। सितंबर माह का औसत में मानसून वर्षा सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान और पर्यावरण प्रभाव, जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञों के अनुसार इस बार के मॉनसून में अधिक वर्षा का कारण सीधा जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है जिसमें हिंद महासागर में जमा अधिक आर्द्रता जो सागरों की सतह पर बढ़े तापमान के फलस्वरूप अधिक नमी के रूप में बादलों को अधिक नम कर देता है, उच्च और मध्य हिमालयन क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं में वृद्धि का कारक बनने के साथ, इसी से देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से ऊपर वर्षा की आशंका बनी हुई है।

फलतः अनेक चुनौतियां और पारिस्थितिक नुकसान जैसे जोखिम बने रहेंगे। हाल ही में प्रकाशित शोध से स्पष्ट हो गया कि इस समस्या का समाधान केवल जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने में नहीं, बल्कि दोषपूर्ण विकास नीतियों को संशोधित करने में भी निहित है। पहला, हमें अपनी सभी सार्वजनिक नीतियों को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप बनाना चाहिए। दशकों से हम यही कहते आ रहे हैं, लेकिन जमीन पर बहुत कम कार्रवाई हुई है। राष्ट्रीय और राज्य जलवायु परिवर्तन कार्य योजनाओं के तहत जो प्रगति हुई है, वह केवल नवीकरणीय ऊर्जा के प्रचार तक सीमित है। दूसरा, हमें पर्यावरण-प्रभाव आकलन प्रणाली की गहन समीक्षा करनी चाहिए। वर्षों से इसे कमजोर किया गया है और ठेकेदारों ने उसके अनिवार्य प्रावधानों को या तो दरकिनार करने का रास्ता निकाला है या पूरी तरह से हटाया गया है। आवश्यक परिवर्तनों की शुरुआत करनी चाहिए ताकि महत्वपूर्ण इन्फ्रास्ट्रक्चर को जलवायु प्रूफ बनाया जा सके। सबसे पहला कदम होना चाहिए पर्यावरण मंत्रालय द्वारा एक मजबूत जलवायु ऑडिट ढांचा विकसित करना, जिसमें मानक, प्रोटोकॉल और उपकरण हों। एक संगठित, बहुक्षेत्रीय राष्ट्रीय प्रयास की शुरुआत हो।

> **उनका संगीत हमें मानवीय-साहसी बनना सिखाता है। वह हमें अपनी नदियों, मजदूरों, नारी और युवा शक्ति को याद रखने को कहता है.. भारतीय संस्कृति और संगीत से लगाव रखने वालों के लिए आज 8 सितंबर का दिन बहुत खास है। और विशेषकर इस दिन के साथ असम के मेरे भाइयों और बहनों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। आज भारत रत्न डा. भूपेन हजारिका की जन्म जयंती है। वे भारत की सबसे असाधारण और सबसे भावुक आवाजों में से एक थे। ये बहुत सुखद है कि इस वर्ष उनके जन्म शताब्दी वर्ष का आरंभ हो रहा है। यह भारतीय कला जगत और जनचेतना की दिशा में उनके महान योगदानों को फिर से याद करने का समय है।**

भूपेन दा-भारत के रत्न जयंती पर नमन

नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री

भूपेन दा ने हमें संगीत से कहीं अधिक दिया। उनके संगीत में ऐसी भावनाएं थीं जो धुन से भी आगे जाती थीं। वे केवल एक गायक नहीं थे, वे लोगों की धडकन थे। कई पीढियां उनके गीत सुनते हुए बड़ी हुईं। उनके गीतों में हमेशा करुणा, सामाजिक न्याय, एकता और गहरी आत्मीयता की गूंज है। भूपेन दा के रूप में असम से एक ऐसी आवाज निकली जो किसी कालजयी नदी की तरह बहती रही। भूपेन दा सशरीर हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज आज भी हमारे बीच है। वो आवाज आज भी सीमाओं और संस्कृतियों से परे है। उसमें मानवता का स्पर्श है। भूपेन दा ने दुनिया का भ्रमण किया, समाज के हर वर्ग के लोगों से मिले, लेकिन वे असम में अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहे। असम की समृद्ध मौखिक परंपराएं, लोकधुनें और सामुदायिक कहानी कहने के तरीकों ने उनके बचपन को गढ़ा। यही अनुभव उनकी कलात्मक भाषा की नींव बने। वे असम की आदिवासी पहचान और लोगों के सरोकार को हर समय साथ लेकर चले।

बहुत छोटी उम्र से उनकी प्रतिभा लोगों को नजर आने लगी। केवल पांच वर्ष की उम्र में उन्होंने सार्वजनिक मंच पर गाया। वहां लक्ष्मीनाथ बेझबरुआ जैसे असमिया साहित्य के अग्रदूत ने उनके कौशल को पहचाना। किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने अपना पहला गीत रिकॉर्ड कर लिया। लेकिन संगीत उनके व्यक्तित्व का सिर्फ एक पहलू था। भूपेन दा भीतर से एक बौद्धिक व्यक्तित्व थे। जिज्ञासु, साफ बोलने वाले, दुनिया को समझने की अटूट चाह रखने वाले। ज्योति प्रसाद अग्रवाल और विष्णु प्रसाद रभा जैसे सांस्कृतिक दिग्गजों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला और उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया। सीखने की यही लगन उन्हें कॉटन कॉलेज, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय तक ले गई। वो बीएचयू में राजनीति शास्त्र के छात्र थे, लेकिन उनका अधिकतर समय संगीत साधना में बीतता था। बनारस ने उन्हें पूरी तरह संगीत की तरफ मोड़ दिया। काशी का सांसद होने के नाते मैं उनकी जीवन यात्रा से एक जुड़ाव महसूस करता हूं, और मुझे बहुत गर्व होता है। काशी से आगे बढ़ी जीवन यात्रा में फिर उन्होंने अमेरिका में कुछ समय बिताया। वहां उन्होंने अपने समय के नामचीन विद्वानों, विचारकों और संगीतकारों से संवाद किया। वे पॉल रोबसन से मिले, जो दिग्गज कलाकार और सिविल राइट्स नेता थे। रोबसन का गीत ''ओएल' मैन रीवर'' उनके कालजयी गीत 'बिश्टीरनो परोरे' की प्रेरणा बना। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला एलेनॉर रुजवेल्ट ने भारतीय लोकसंगीत प्रस्तुतियों के लिए उन्हें गोल्ड मेडल भी दिया। भूपेन हजारिका संगीत के साथ ही मां भारती के भी सच्चे उपासक थे। भूपेन दा के पास अमेरिका में रहने का विकल्प था, लेकिन वे भारत लौट आए और संगीत साधना में डूब गए।

रेडियो से लेकर रंगमंच तक, फिल्मों से लेकर एजुकेशनल डॉक्यूमेंट्री तक, हर माध्यम में वे पारंगत थे। जहां भी गए, नई प्रतिभाओं को समर्थन दिया। भूपेन दा की रचनाएं काव्यात्मक सौंदर्य से भरी रहीं, और साथ-साथ उन्होंने सामाजिक संदेश भी दिए। गरीबों को न्याय, ग्रामीण विकास, आम नागरिक की ताकत, ऐसे अनेक विषय उन्होंने उठाए। उनके गीतों ने नाविकों, चाय बागान के मजदूरों, महिलाओं, किसानों की आकांक्षाओं को आवाज दी। उनकी रचनाएं लोगों को पुरानी स्मृतियों में ले जाती थीं, साथ ही उन्होंने आधुनिकता को देखने का एक सशक्त नजरिया भी दिया। बहुत से लोग, खासकर सामाजिक रूप से वंचित तबकों के लोग, उनके संगीत से शक्ति और आशा पाते रहेज्और आज भी पा रहे हैं। भूपेन दा की जीवन यात्रा में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का स्पष्ट प्रभाव दिखता है। उनकी रचनाओं ने भाषा और क्षेत्र की सीमाएं तोडक़र एकजुट किया। उन्होंने असमिया, बांग्ला और हिंदी फिल्मों के लिए संगीत रचा। उनकी आवाज में जो पीड़ा थी, वो बरबस हम सभी का ध्यान खींच लेती थी। 'दिल हूम हूम करे' में जो पीड़ा बहती है, वो सीधे दिल की गहराइयों को छू लेती है। और जब वे पूछते हैं, 'गंगा बहती है क्यूं', तो ऐसा लगता है मानो हर आत्मा को झकझोर कर जवाब मांग रहे हों। उन्होंने पूरे भारत के सामने असम को सुनाया, दिखाया, महसूस कराया। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आधुनिक असम की सांस्कृतिक पहचान को गढऩे में उनका बड़ा योगदान रहा। असम के भीतर और दुनिया भर के असमिया प्रवासियों, दोनों के लिए वो असम की आवाज बने। भूपेन दा राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे, फिर भी जनसेवा की दुनिया से जुड़े रहे। 1967 में वे असम के नौबोइचा से निर्दलीय विधायक चुने गए। यह दिखाता है कि लोगों को उन पर कितना गहरा विश्वास था। उन्होंने राजनीति को अपना करियर नहीं बनाया, लेकिन हमेशा लोगों की सेवा में जुटे रहे। भारत की जनता और भारत सरकार ने उनके योगदान का सम्मान किया। उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, पद्मविभूषण, दादा साहेब फाल्के अवार्ड समेत कई सम्मान मिले। 2019 में हमारे कार्यकाल के दौरान उन्हें भारत रत्न मिला। यह मेरे लिए और एनडीए सरकार के लिए भी सम्मान की बात थी। दुनिया भर में, खासकर असम और उत्तर-पूर्व के लोगों ने, इस अवसर पर खुशी जताई। यह उन सिद्धांतों का सम्मान था, जिन्हें भूपेन दा दिल से मानते थे। वो कहते थे कि सच्चाई से निकला संगीत किसी एक दायरे में सिमट कर नहीं रहता। एक गीत लोगों के सपनों को पंख लगा सकता है, और दुनिया भर के दिलों को छू सकता है। मुझे 2011 का वह समय याद है जब भूपेन दा का निधन हुआ। मैंने टीवी पर देखा, उनके अंतिम संस्कार में लाखों लोग पहुंचे। हर आंख नम थी। जीवन की तरह, मृत्यु में भी उन्होंने लोगों को साथ ला दिया। इसलिए उन्हें जलुकबाड़ी की पहाड़ी पर ब्रह्मपुत्र की ओर देखते हुए अंतिम विदाई दी गई, वही नदी जो उनके संगीत, उनके प्रतीकों और उनकी स्मृतियों की जीवनरेखा रही है। अब ये देखना बहुत सुखद है कि असम सरकार भूपेन हजारिका कल्चरल ट्रस्ट के कार्यों को बढ़ावा दे रही है। यह ट्रस्ट युवा पीढ़ी को भूपेन दा की जीवन यात्रा से जोडऩे में जुटा है। भूपेन दा की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के लिए देश के सबसे बड़े पुल को भूपेन हजारिका सेतु नाम दिया गया। 2017 में जब मुझे इस सेतु के उद्घाटन का अवसर मिला, तो मैंने महसूस किया कि असम और अरुणाचलज्इन दो राज्यों को जोडऩे वाले, उनके बीच की दूरी कम करने वाले इस सेतु के लिए भूपेन दा का नाम सबसे उपयुक्त है। भूपेन हजारिका का जीवन हमें करुणा की शक्ति का एहसास कराता है। लोगों को सुनने और अपनी मिट्टी से जुड़े रहने की सीख देता है। उनके गीत आज भी बच्चों और बुजुर्गों, दोनों की जुबान पर हैं। उनका संगीत हमें मानवीय और साहसी बनना सिखाता है। वह हमें अपनी नदियों, अपने मजदूरों, अपने चाय बागान के कामगारों, अपनी नारी शक्ति और अपनी युवा शक्ति को याद रखने को कहता है। वह हमें विविधता में एकता पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करता है। भारत भूपेन हजारिका जैसे रत्न से धन्य है। जब हम उनके शताब्दी वर्ष का आरंभ कर रहे हैं, तो आइए यह संकल्प लें कि उनके संदेश को दूर-दूर तक पहुंचाएंगे। यह संकल्प हमें संगीत, कला और संस्कृति के लिए और काम करने की प्रेरणा दे, नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करे, भारत में सृजनात्मकता और कलात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा दे। मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं। राष्ट्र उनकी जयंती पर उन्हें नमन करता है।

जीएसटी से राहत और आर्थिक रफ्तार

मांग व उत्पादन बढ़ने से जीडीपी में भी वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। ईज ऑफ डूइंग रैंकिंग भी सुधरेगी हाल ही में 3 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 56वीं बैठक में महंगाई से आम आदमी को राहत देने, ट्रंप टैरिफ से जूझ रहे उद्योग-कारोबार को गति देने और देश की आर्थिक रफ्तार बढ़ाने के मद्देनजर जीएसटी ढांचे और जीएसटी दरों में आमूल सुधार करने के लिए प्रभावी निर्णय लिए गए हैं।

डा. जयंती लाल भंडारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में दिवाली से पहले उपहार के रूप में जीएसटी के नए राहतकारी सुधारों का ऐलान किया गया था। अब जीएसटी परिषद ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर मुहर लगा दी है। इस अहम कर सुधार पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीएसटी में बदलाव के फैसलों से आम जनता, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग महिलाओं और युवाओं को लाभ होगा। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है। ये व्यापक सुधार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाएंगे और खास तौर से छोटे व्यापारियों और कारोबारों के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करेंगे। खास बात यह है कि जीएसटी की नई दर व्यवस्था 22 सितंबर, नवरात्र के पहले दिन से लागू होगी। जीएसटी सुधारों का देश के शेयर बाजार ने स्वागत किया है। गौरतलब है कि 1 जुलाई 2017 से देशभर में लागू जीएसटी पर जीएसटी परिषद ने विगत वर्षों में व्यापक मूल्यांकन और विश्लेषण के बाद जीएसटी में सरलता और नए जीएसटी ढांचे के रोडमैप को मंजूरी दी है। जीएसटी परिषद ने मौजूदा चार टैक्स स्लैब 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी को मंजूरी दी है।

हालांकि अहितकर वस्तुओं की श्रेणी में आने वाली कुछ वस्तुओं पर 40 फीसदी कर स्लैब लागू होगा। अब जीएसटी सुधारों के तीन बड़े आधार हैं। एकए स्ट्रक्चरल सुधार। इसमें टैक्स ढांचे को और बेहतर किया गया है। दो, टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि जरूरी वस्तुएं सस्ती हों तथा तीन, नए रजिस्ट्रेशन, रिफंड को आसान बनाया गया है। इससे इनपुट और आउटपुट टैक्स रेट्स में संतुलन आएगा। जीएसटी के रजिस्ट्रेशन से लेकर पालन प्रतिवेदन की प्रक्रिया भी आसान की गई है। कारोबारी अब सिर्फ तीन दिन में जीएसटी पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे। उन्हें 7 दिनों में रिफंड देने की व्यवस्था होगी। कच्चे माल और तैयार माल की दरों में भिन्नता होने के कारण इनपुट टैक्स रिटर्न में होने वाली दिक्कतों को भी समाप्त कर दिया गया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि जीएसटी दरों में नए बदलाव से वर्तमान में 12 फीसदी जीएसटी वाली लगभग 99 फीसदी वस्तुएं अब पांच फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी। जबकि 28 फीसदी टैक्स वाली लगभग 90 फीसदी वस्तुएं 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी। इसके अलावा रोटी, परांठे, कैंसर समेत 33 जीवन रक्षक दवाओं पर अब जीएसटी नहीं लगेगा। लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पूरी तरह से जीएसटी मुक्त हो गए हैं।

अभी इन पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। सभी ऑटो पार्ट्स पर जीएसटी 18 फीसदी होगा। सीमेंट और तिपहिया वाहनों पर यह अब 28 फीसदी से घटकर 18 फीसदी हो गया है। इससे अब घर बनाना भी सस्ता हो जाएगा। निश्चित रूप से नए बदलाव से आम आदमी से लेकर किसान और छोटे उद्योगों के इस्तेमाल में आने वाली सैकड़ों वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। निश्चित रूप से जीएसटी की दरों के नए बदलाव के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में राज्यों की आमदनी बढऩे की संभावना है। एसबीआई रिसर्च की जीएसटी 2.0 रिपोर्ट के मुताबिक, एसजीएसटी और केंद्र से ट्रांसफर होने वाली रकम के जरिए राज्यों को लगभग 14 लाख करोड़ रुपए मिल सकते हैं। जीएसटी में मिलने वाले रेवेन्यू का आधा हिस्सा सीधे केंद्र सरकार और आधा हिस्सा राज्यों को मिलता है।

इसके अलावा, केंद्र के हिस्से का लगभग 41 फीसदी भी राज्यों को वापस मिलता है। अगर नई जीएसटी दरों से खपत बढ़ती है, तो अतिरिक्त 52000 करोड़ रुपए का फायदा भी होगा, जिसमें से 26000 करोड़ केंद्र को और 26000 करोड़ राज्यों को मिलेगा। इसका मतलब है कि नए वित्तीय वर्ष में भी राज्यों की आमदनी मजबूत रहेगी। जीएसटी का सिस्टम ऐसा है कि राज्यों की आमदनी थोड़े समय के लिए कम होने पर भी उन्हें नुकसान नहीं होता। चाहे जीएसटी दरें बदलें या मुआवजा शुल्क बंद हो जाए, राज्यों के पैसे सुरक्षित रहते हैं। संविधान की व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि कर सुधार के दौरान भी राज्यों के खजाने और हित सुरक्षित रहें। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2018 और 2019 में जब जीएसटी की दरों में बदलाव किया गया था, तो शुरू में राजस्व में थोड़ी गिरावट (3-4 फीसदी) आई। लेकिन कुछ ही महीनों में राजस्व फिर से बढऩे लगा। इसका मतलब है कि दरों में बदलाव केवल थोड़े समय के लिए असर डालता है, बल्कि लंबे समय में जीएसटी सिस्टम को सरल और असरदार बनाता है। इससे व्यवसायों पर टैक्स भरने का बोझ कम होता है और सरकार को ज्यादा टैक्स मिल पाता है।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी के सुधारों से घरेलू खपत में जोरदार तेजी आएगी। मध्यम वर्ग उत्पादों की खरीदी पर पैसा खर्च करेगा और मांग बढऩे से निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार को भी उम्मीद है कि 47000 करोड रुपए के सालाना राजस्व नुकसान के बावजूद बाजार की गतिविधियों में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था को जिस तरह रफ्तार मिलेगी, उससे तात्कालिक नुकसान की सरलता से भरपाई हो जाएगी। निश्चित रूप से आम आदमी व मध्यमवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी और लोगों की क्रय शक्ति बढग़ी और बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ेगा। जो छोटे उद्योग ट्रंप टैरिफ के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिलेगा। इतना ही नहीं, जीएसटी घटने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई देगा। अनुमान है कि देश में जीएसटी घटने से करीब 2 लाख करोड़ रुपए की खपत बढ़ेगी और निर्यात को भी नई गति मिलेगी। मांग व उत्पादन बढऩे से जीडीपी में भी वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। वैश्विक स्तर पर भारत की ईज ऑफ डूइंग रैंकिंग भी सुधरेगी। इस परिप्रेक्ष्य में वैश्विक साख निर्धारण करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने कहा कि निश्चित रूप से भारत में पिछले 5-6 वर्षों के दौरान जीएसटी सुधार बहुत सफल साबित हुए हैं।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2025

बस्तर एयरपोर्ट से अब तक तीन लाख यात्रियों ने भरी उड़ान

नियमित विमान सेवा से बड़े शहरों से सीधे जुड़ा बस्तर संभाग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्षों की विकास यात्रा में आवागमन की सुविधाओं का विस्तार महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। जहां राजधानी रायपुर पहले से ही देश के प्रमुख शहरों से वायु मार्ग से जुड़ा था, वहीं अब बस्तर, बिलासपुर और अंबिकापुर जैसे शहर भी विमान सेवाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। विशेषकर बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में एयरपोर्ट और नियमित यात्री उड़ानों की सुविधा से क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुली हैं।

जगदलपुर स्थित माँ दंतेश्वरी हवाई अड्डा का ऐतिहासिक महत्व है। इसका निर्माण वर्ष 1939 में ब्रिटिश शासनकाल में किया गया था और इसे उस समय ''जहाज भाटा'' नाम से जाना जाता था। वर्ष 2017 में केंद्र सरकार की उड़ान योजना के अंतर्गत भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा हवाई अड्डे के उन्नयन का कार्य प्रारंभ किया गया। वर्ष 2019 में इसे 3-सी श्रेणी में अपग्रेड किया गया, जिससे एटीआर-72 जैसे विमानों का संचालन संभव हुआ। वर्ष 2020 में छत्तीसगढ़ सरकार ने हवाई अड्डे का नामकरण बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के नाम पर किया।

सितंबर 2020 में जगदलपुर से रायपुर और हैदराबाद के लिए एलायंस एयर द्वारा नियमित व्यावसायिक उड़ानें शुरू की गई। इसके बाद दिल्ली, जबलपुर और बिलासपुर के लिए भी उड़ान सेवाएँ प्रारंभ हुई। मार्च 2024 से इंडिगो एयरलाइंस ने जगदलपुर को हैदराबाद और रायपुर से जोड़ते हुए दैनिक सेवा शुरू की। पैरामिलिट्री बलों के लिए विशेष दिल्ली सेवा का संचालन भी किया जा रहा है।

वर्तमान में जगदलपुर एयरपोर्ट से अब तक लगभग तीन लाख यात्री हवाई यात्रा कर चुके हैं। इससे न केवल स्थानीय नागरिकों को सुविधा मिली है, बल्कि व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गंभीर मरीजों को बड़े शहरों तक शीघ्र उपचार हेतु पहुंचाना संभव हो पाया है। विद्यार्थी और युवा रोजगार एवं उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों तक आसानी से पहुँच रहे हैं।

बस्तर के हस्तशिल्प, वनोपज और हर्बल उत्पाद अब देश के बड़े बाजारों तक सरलता से पहुँच रहे हैं। वहीं चित्रकूट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान और ऐतिहासिक बस्तर दशहरा जैसे पर्यटन स्थलों तक देश-विदेश से पर्यटकों की पहुँच भी सहज हुई है।

जगदलपुर एयरपोर्ट का संचालन बस्तर अंचल के लिए विकास का नया द्वार सिद्ध हो रहा है। इससे आंतरिक क्षेत्रों तक आधुनिक सुविधाएँ पहुँच रही हैं और बस्तर को राष्ट्रीय परिदृश्य पर नई पहचान मिल रही है। आने वाले समय में यह एयरपोर्ट क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने दिव्यांग युवक को दिया आगे बढ़ने का सहारा, श्री अमर मरकाम को तत्काल मिली स्कूटी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा के कवर्धा विधायक कार्यालय में आज एक भावुक पल देखने को मिला। जब बोड़ला विकासखंड के ग्राम घोंघा निवासी श्री अमर मरकाम, जो शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं। उन्होंने अपनी पीड़ा उप मुख्यमंत्री के समक्ष व्यक्त की। उन्होंने बताया कि बाहर आने-जाने में उन्हें अत्यधिक कठिनाई होती है और उन्हें स्कूटी की आवश्यकता है। श्री अमर मरकाम की व्यथा सुनते ही उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अत्यंत संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल उन्हें स्कूटी प्रदान की।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें जरूरतमंदों तक वास्तविक रूप से पहुंचाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता समाज के अंतिम छोर तक विकास और सुविधा पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपनी असमर्थताओं के कारण कठिनाई झेल रहे हैं, उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही सच्ची जनसेवा है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार समाज के कमजोर, वंचित और दिव्यांग वर्ग के साथ खड़ी है। सरकार लगातार ऐसे कदम उठा रही है, जिससे हर व्यक्ति सम्मानपूर्वक और आत्मनिर्भर जीवन जी सके।

श्री अमर मरकाम को दी गई स्कूटी केवल एक सहायता नहीं, बल्कि सरकार की संवेदनशीलता और आमजन के प्रति समर्पण का प्रतीक है। इस पहल ने पूरे जिले में संदेश दिया है कि जरूरतमंद की आवाज सरकार तक न केवल पहुंचती है, बल्कि उस पर त्वरित कार्रवाई भी होती है।

कैबिनेट बैठक 9 सितंबर को

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंगलवार 9 सितंबर 2025 को अपरान्ह 3:30 बजे राज्य मंत्रीपरिषद (कैबिनेट) की बैठक मंत्रालय (महानदी भवन) अटल नगर, नवा रायपुर मे आयोजित होगी।

लुत्ती डैम टूटने से प्रभावित ग्रामीणों का हाल चाल जानने जिला अस्पताल पहुंचे कृषि मंत्री नेताम

प्रभावित परिवार से की मुलाकात, हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लुत्ती डैम टूटने से प्रभावित ग्रामीणों की पीड़ा को बांटने कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम जिला अस्पताल बलरामपुर पहुँचे। उन्होंने अस्पताल के वार्डों में भर्ती घायलों से मिलकर उनका हालचाल जाना और ढांढस बंधाया। मंत्री ने डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को सर्वोत्तम चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान अस्पताल में भर्ती श्रीमती रेवती से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि यह संकट की घड़ी है, सरकार आपके साथ खड़ी है। आपके उपचार और पुनर्वास में हर संभव मदद किया जाएगा।

इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंहदेव, कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक श्री बैंकर वैभव रमनलाल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

प्रदेश में अब तक 955.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 955.4 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1330.0 मि.मी. और बेमेतरा जिले में न्यूनतम 465.9 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

रायपुर संभाग में रायपुर में 812.1 मि.मी., बलौदाबाजार में 703.2 मि.मी., गरियाबंद में 788.2 मि.मी., महासमुंद में 696.3 मि.मी. और धमतरी में 855.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बिलासपुर संभाग में बिलासपुर में 988.5 मि.मी., मुंगेली में 966.5 मि.मी., रायगढ़ में 1180.0 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 812.7 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1156.3 मि.मी., सक्ती में 1051.8 मि.मी., कोरबा में 1003.4 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 908.4 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग में 742.9 मि.मी., कबीरधाम में 679.8 मि.मी., राजनांदगांव में 831.8 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1174.0 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 690.0 मि.मी. और बालोद में 1016.5 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है।

सरगुजा संभाग में सरगुजा में 680.1 मि.मी., सूरजपुर में 1006.0 मि.मी., जशपुर में 930.2 मि.मी., कोरिया में 1059.2 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 956.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बस्तर संभाग में बस्तर में 1324.9 मि.मी., कोंडागांव में 881.7 मि.मी., कांकेर में 1085.9 मि.मी., नारायणपुर में 1151.4 मि.मी., दंतेवाड़ा में 1287.6 मि.मी., सुकमा में 1021.8 मि.मी. और बीजापुर में 1289.7 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री राजवाड़े संबलपुर में करमा तिहार उत्सव में शामिल हुई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपराओं और जनभावनाओं से जुड़े करमा तिहार पर्व का आयोजन सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत संबलपुर में हर्षोल्लास और पारंपरिक रंग-रस के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई।

राजवाड़े ने क्षेत्रवासियों संग करमा पर्व के पारंपरिक गीतों और नृत्यों की छटा का आनंद लिया और ग्रामीणों को करमा तिहार की बधाई दी। उन्होंने कहा कि करमा तिहार भाईचारे, सामूहिकता और श्रम संस्कृति का पर्व है, जो हमारी ग्रामीण परंपराओं और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं, युवाओं और बच्चों को अपने सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान संबलपुर और आसपास के गांवों के कलाकारों द्वारा करमा नृत्य, पारंपरिक गीत और लोककला की प्रस्तुतियां दी गई, जिनसे वातावरण उल्लास और उत्सव की भावना से सराबोर हो गया। ग्रामीणजनों ने मंत्री राजवाड़े का पारंपरिक स्वागत किया और कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

युक्ति युक्तकरण से प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों को मिली नियमित शिक्षिका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लम्बे समय से एकलशिक्षकीय की बाट जोह रहे पाली ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम परसदा के प्राथमिक शाला लाइन पारा के विद्यार्थियों को नई शिक्षिका मिल गई है। पहले एकमात्र शिक्षक होने से पढ़ाई पूरी नहीं कर पाने वाले विद्यार्थी अब नई मैडम के परमानेंट आ जाने से खुश है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दिशा निर्देशन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षको के युक्ति युक्तकरण की प्रकिया अपनाई गई। युक्ति युक्तकरण की इस प्रक्रिया से जिले के सैकड़ों विद्यालयों के विद्यार्थियों को लाभ पहुंचा हैं। खासकर शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय वाले विद्यालयों में अतिशेष शिक्षको के समायोजन से शिक्षा की राह आसान हो गई है। जिले के अनेक दूरस्थ विद्यालय में युक्ति युक्तकरण से शिक्षक पदस्थ किए गए हैं। ऐसे ही पाली ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत परसदा के लाइनपारा में संचालित प्राथमिक शाला में 34 विद्यार्थी है। यहाँ प्रधानपाठक के रूप में श्री नोहर प्रसाद साहू है। उन्होंने बताया कि विद्यालय एकलशिक्षकीय था। युक्ति युक्तकरण से इस विद्यालय को एक नियमित शिक्षिका मिली है। शिक्षिका के आने से विद्यार्थियों के लिए भी बढ़िया हो गया है। युक्ति युक्तकरण से लाइन पारा के विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती नेमी जायसवाल का कहना है कि वह मूल रूप से पाली ब्लॉक के अन्य स्कूल में पदस्थ थी। अब नई पदस्थापना के बाद रेगुलर इस विद्यालय में पढ़ाई कराने आ रही है। उन्होंने बताया कि उन्होंने जून में ही नियमित शिक्षिका के रूप में यहाँ जॉइन कर लिया था। वह कक्षा एक से तीन तक नियमित क्लास लेती है।

सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से घर हुआ रोशन

अनुप कोचेटा ने सोलर रूफटॉप लगाकर पाई बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आमजन के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। इस योजना के अंतर्गत अम्बिकापुर के गंगापुर निवासी श्री अनुप कुमार कोचेटा ने अपने घर की छत पर सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित कर इसका लाभ लिया है। परिणामस्वरूप उनके घर का बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है।

श्री अनुप ने बताया कि उनके घर की औसत मासिक खपत लगभग 300 यूनिट थी। योजना का लाभ लेने के उपरांत मात्र 22 दिनों में ही सोलर रूफटॉप से 300 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। इससे उनका बिजली बिल लगभग समाप्त हो गया है।उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 2 लाख 5 हजार रुपये आई है। इस पर केंद्र सरकार द्वारा 78,000 रुपये की सब्सिडी तथा राज्य सरकार द्वारा 30,000 रुपये की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जा रही है। इस प्रकार उन्हें कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सहायता प्राप्त होगी। शेष राशि हेतु उन्होंने 6.5 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक से ऋण लिया है, जिसकी अदायगी आसान किस्तों में होगी। श्री अनुप ने कहा कि यह योजना अत्यंत लाभकारी है। पूर्व में प्रत्येक माह बिजली बिल का बोझ रहता था, किंतु अब यह पूरी तरह समाप्त हो गया है। बैंक की आसान किस्तों से ऋण चुकाना भी सरल है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से न केवल उनके घर में उजाला हुआ है बल्कि भविष्य भी सुरक्षित हुआ है। इस योजना से देश में बिजली उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत के साथ-साथ मुफ्त बिजली प्राप्त होगी। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से इस योजना का लाभ लेने का आग्रह किया है।

युक्तियुक्तकरण से एकल शिक्षकीय खरगा स्कूल को मिला दो शिक्षक

पढ़ाई की गुणवाा में सुधार होने से विद्यार्थियों और पालकों के चेहरे खिले

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शिक्षा युक्तियुक्तकरण किए जाने शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय स्कूलों में सकारात्मक बदलाव आया है। युक्तियुक्तकरण के जरिए अब कोई भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं है, जहां एकल शिक्षकीय विद्यालय था, वहां शिक्षकों की पदस्थापना होने से पढ़ाई की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड अंतर्गत एक छोटा सा गाँव खरगा जहां का प्राथमिक स्कूल एकल शिक्षकीय था, यहां मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किए गए युक्तियुक्तकरण से दो शिक्षकों की नियुक्ति हुई है, जिससे पढ़ाई के स्तर में सुधार हुआ है। स्कूल में विगत कुछ वर्षो से केवल एक शिक्षक था, जिसके कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी, लेकिन राज्य सरकार द्वारा किए गए युक्तियुक्तकरण से अब इस छात्रों की किस्मत बदल गई, जिससे अभिभावकों में खुशी की लहर है और उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है।

कोटा विकासखंड अंतर्गत एक छोटा सा गाँव खरगा का एकल शिक्षकीय प्राथमिक स्कूल में पहले केवल एक शिक्षक संतोष खांडे अपनी सेवाएं दे रहे थे युक्तयुक्तिकरण में शिक्षक मुकेश कुमार यादव की नियुक्ति की गई है। अब दो शिक्षकों की नियुक्ति होने से पढ़ाई के स्तर में सुधार हुआ है साथ ही शिक्षकों द्वारा बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में जोड़ने से विद्यार्थी और अभिभावक खुश हैं। पालक श्रीमती धनकुमारी ने बताया कि उनका बच्चा यहां के स्कूल में कक्षा तीसरी में पढ़ रहा है, दो शिक्षकों की पदस्थापना से उनकी पढ़ाई पहले से बेहतर हुई है। इसी तरह अभिभावक राजेंद्र चतुर्वेदी, श्रवण कुमार और अनिल कुर्रे ने भी दो शिक्षकों की नियुक्ति को बच्चों के हित में बताते हुए कहा कि इससे बच्चों की पढ़ाई के स्तर में सुधार हुआ है, दो शिक्षक आने से बच्चे भी खुश हैं और मन लगाकर पढ़ाई कर रहे हैं, पालकों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया।

'नवगुरुकुल' में छात्राओं से मिले वित्त मंत्री ओ.पी. चैधरी

आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से आगे बढ़ने की दी प्रेरणा

120 छात्राएँ ले रही हैं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायगढ़ जिले के मेहनती और वंचित युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित नवगुरुकुल प्रशिक्षण केंद्र का रविवार को वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चैधरी ने गढ़उमरिया पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही 120 छात्राओं से संवाद किया और अपने जीवन अनुभव साझा करते हुए उन्हें आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वित्त मंत्री चैधरी ने छात्राओं से बातचीत करते हुए अपने बचपन के संघर्षों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मात्र 8 वर्ष की उम्र में पिता का साया उठ जाने के बाद उन्होंने सरकारी स्कूल से बारहवीं तक की पढ़ाई पूरी की और कठिन परिस्थितियों के बावजूद धैर्य, मेहनत और आत्मविश्वास से सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि जीवन में कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए। आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि नवगुरुकुल को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में 120 छात्राएँ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, भविष्य में इसे और विस्तारित किया जाएगा। छात्राओं की सफलता इस विस्तार की मजबूत नींव बनेगी। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण में फिटनेस, योग और खेलकूद जैसी गतिविधियाँ शामिल करने का सुझाव दिया, ताकि छात्राओं का शारीरिक और मानसिक विकास समान रूप से हो सके।

वित्त मंत्री ने नवगुरुकुल में छात्राओं के लिए उपलब्ध भोजन, आवास, इंटरनेट, बिजली और पाठ्य सामग्री जैसी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कहा कि यदि किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो छात्राएँ बेहिचक बताएं, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके।

सीहोर में फसल बीमा राशि को लेकर किसानों का विरोध, एक किमी लंबी रैली निकाली

बच्चों से लेकर बुजुर्गों ने थाली बजाकर किया प्रदर्शन

सीहोर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के सीहोर में खराब फसलों की बीमा राशि को लेकर किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी है। समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में ग्राम बिजोरा के किसानों ने एक किलोमीटर लंबी रैली निकाली।

इस रैली में किसानों के साथ महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारी हाथों में खराब सोयाबीन की फसल लेकर थाली बजाते हुए विभिन्न मार्गों से होकर पांच किलोमीटर तक पैदल चले। किसान पिछले 5 साल से खराब हो रही फसलों की बीमा राशि की मांग कर रहे हैं।

अलग अलग तरीके से प्रदर्शन किया लेकिन नहीं रेंगी जूं: एमएस मेवाड़ा ने बताया कि पिछले 15 दिनों से जिले भर के किसान अलग-अलग तरीकों से आंदोलन कर रहे हैं। भोपाल, सीहोर और शाजापुर जिले के किसान नदी में जल सत्याग्रह, पानी की टंकी पर चढ़कर और खेतों में लेटकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लगातार हो रहे प्रदर्शन के बाद भी शासन-प्रशासन के जूं तक नहीं रेंगी।

पांच सालों से सोयाबीन की फसल का नहीं मिला बीमा

किसानों का आरोप है कि लगातार पांच वर्षों से सोयाबीन की फसल खराब हो रही है। लेकिन बीमा कंपनियों और प्रशासन ने अब तक कोई सर्वे नहीं किया है। किसानों ने चेतावनी दी है कि जब तक बीमा राशि नहीं मिलेगी, तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा।

खंडवा में अतिक्रमण हटा तो फिर पनपी हरियाली

जंगल में खोदे कंटूरों में पानी भरा

खंडवा, एजेंसी। खंडवा जिले के जंगलों में प्रशासन और वन विभाग की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का असर अब दिखने लगा है। बारिश के बाद जंगलों में हरियाली लौट आई है और पहले खोदे गए खंतियों में पानी भरने से जल संरक्षण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

बारिश से पहले खंडवा के गुड़ी और सरमेश्वर रेंज में वन विभाग ने 400 जेसीबी मशीनों की मदद से अतिक्रमण हटाया था। इसमें करीब 1950 हेक्टेयर (लगभग 5 हजार एकड़) जंगल को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया गया। इस इलाके में कोविड के दौरान अतिक्रमण बढ़ गया था, जब लॉकडाउन में लोग पेड़ काटकर जंगल पर कब्जा करने लगे थे।

कंटूर-पद्धति से खंतियां खोदी गईं

वन विभाग ने जंगल में खंतियां (कंटूर) खोदी थीं, ताकि खरीफ सीजन में अतिक्रमणकारियों की बोवनी रोकी जा सके। बीजों का छिड़काव भी किया गया ताकि जंगल की हरियाली लौट सके। अब बारिश के बाद इन खंतियों में पानी भर गया है, जिससे जल संरक्षण के साथ-साथ जंगल का सौंदर्य भी वापस आने लगा है।

1950 हेक्टेयर जमीन को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया

गुड़ी रेंज के रेंजर नरेंद्र पटेल ने बताया कि दिसंबर 2024 से अप्रैल 2025 तक अतिक्रमण हटाने की मुहिम चली। इसमें 2000 हेक्टेयर में से 1950 हेक्टेयर जमीन को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया गया। डीएफओ राकेश कुमार डामोर ने कहा कि प्रशासन और पुलिस के सहयोग से कार्रवाई का सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

भविष्य में भी निगरानी जारी रहेगी

वन विभाग ने अतिक्रमण रोकने के लिए निगरानी कड़ी कर दी है। विभाग का मानना है कि कुछ साल और लगेंगे, लेकिन जंगल उसी स्वरूप में लौट आएगा। जल संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के लिए कंटूर-पद्धति से बने गड्ढों और खंतियों में पानी का संग्रह अहम भूमिका निभा रहा है।

सतना में नदी में डूबे बच्चे का शव मिला, एसडीआरएफ टीम ने 2 किमी दूर से निकाला

सतना, एजेंसी। सतना के डगडीहा गांव में सेमरावल नदी में डूबे 12 साल के बच्चे का शव एसडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया है।

कोटर थाना क्षेत्र में राजेंद्र सिंह उर्फ प्रिंस रविवार सुबह 9 बजे अपने दो दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था। इसी दौरान वो नदी के तेज बहाव में वह बह गया। उसके दोस्तों ने गांव में आकर घटना की जानकारी दी। इसके बाद स्थानीय गोताखोरों ने तलाशी अभियान शुरू किया।

सूचना मिलने पर सतना से एसडीआरएफ की 4 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची। प्लाटून कमांडेंट पुष्पेंद्र पांडेय के नेतृत्व में नाव से खोज अभियान शुरू किया गया। टीम ने करीब 1 किलोमीटर के क्षेत्र में तलाश की। अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू अभियान रोकना पड़ा।

2 किलोमीटर दूर मिला शव: सोमवार सुबह एसडीआरएफ टीम और होमगार्ड के 3 गोताखोर जवानों ने फिर से तलाश शुरू की। साढ़े 9 बजे करीब 2 किलोमीटर दूर प्रिंस का शव मिला। एसडीआरएफ के प्लाटून कमांडेंट ने बताया कि शव नदी की गहराई में फंसा हुआ था। नाव से लहरें बनाने पर शव ऊपर आ गया।

चित्रकूट में बाबा के बैग से चोरी करने वाला पकड़ाया:3.10 लाख का माल, अवैध कट्टा और कारतूस बरामद, आरोपी को जेल भेजा

सतना, एजेंसी। चित्रकूट थाना पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी अनुज उर्फ गोधा सिंह गौर (22) बांदा का रहने वाला है। वह वर्तमान में चित्रकूट के कर्वी में किराए के मकान में रहता था।

पुलिस ने आरोपी से 2.37 लाख रुपये नकद और 70 हजार रुपये की सोने की अंगूठी बरामद की है। इसके अलावा उसके पास से एक अवैध 315 बोर का कट्टा और जिंदा कारतूस भी मिला है। कुल बरामद माल की कीमत 3.10 लाख रुपये है।

बैग में 2.40 लाख रुपए नकद रखे हुए थे: मामला 6-7 सितंबर की रात का है। ददरौआ धाम आश्रम सिरसावन में रह रहे मथुरा निवासी राधिकादास (60) के कमरे से एक लाल रंग का बैग चोरी हो गया था। बैग में 2.40 लाख रुपए नकद, सोने की अंगूठी और पहचान पत्र थे। थाना प्रभारी डीआर शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की। पूछताछ में आरोपी ने 3 सितंबर को भरत घाट में एक घर में लूट का प्रयास स्वीकार किया। वहां घर की महिला के जाग जाने पर उसने हथियार से हमला भी किया था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

इलाज के बहाने धर्म परिवर्तन का मामला:

तीन आरोपियों को भेजा जेल, एक पुलिस रिमांड पर, वीडियो सामने आया था

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में इलाज के बहाने धर्मांतरण कराने के आरोप में पकड़े गए चार आरोपियों में से तीन को रविवार को जेल भेज दिया गया। एक आरोपी विक्रम सिंह (35) को पुलिस ने कोर्ट से एक दिन का रिमांड लिया है। पुलिस अब पूछताछ कर यह पता लगाएगी कि इस मामले में और कौन-कौन शामिल था।

5 सितंबर को थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत टैंकर रोड पर एक झोपड़ी में इलाज कराने के बहाने धर्मांतरण की सूचना मिली। हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने मौके पर जांच की और चार लोगों को पकड़ा। घर का मालिक मौके से भाग गया था, जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

मौके पर काफी संख्या में जनजातीय लोग, जिसमें महिलाएं और बच्चे शामिल थे, प्रार्थना और इलाज कराने पहुंचे थे। जांच में वहां बाइबल और क्रॉस भी मिले।

धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत केस दर्ज: पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3 और 5 के तहत केस दर्ज किया। रविवार को चारों को विशेष कोर्ट में पेश किया गया। तीन आरोपियों को जेल भेजा गया और एक को पुलिस रिमांड मिला।

जेल भेजे गए आरोपी: जगदीश (30) पुत्र शंभुलाल निनामा, रिछखोरा थाना सरवन, रतलाम

मांगीलाल (35) पुत्र शंकरलाल निनामा, सागवा थाना बिलकुंआ, जिला बांसवाड़ा (राजस्थान)

गुड्डु उर्फ गुड्डा (18) पुत्र बालू मईडा, गेणी थाना शिवगढ, जिला रतलाम

सबसे पहले चेक शर्ट में आरोपी विक्रम का एक दिन का पीआर मिला है। शेष तीनों आरोपियों को जेल भेजा।

सबसे पहले चेक शर्ट में आरोपी विक्रम का एक दिन का पीआर मिला है। शेष तीनों आरोपियों को जेल भेजा।

पुलिस रिमांड पर-विक्रम सिंह (35) पुत्र शंभुलाल उर्फ शंभु निनामा, रिछखोरा थाना सरवन, शिव नगर रतलाम

प्रभु यीशु तुम्हारे दुख दूर करेंगे: कैलाश निनामा ने पुलिस को बताया कि वह अनुसूचित जनजाति से हैं और मजदूरी करते हैं। करीब चार-पांच महीने पहले उनकी बीमारी के चलते रतलाम मेडिकल कॉलेज में इलाज हुआ। वहां उन्हें जगदीश निनामा मिला, जिसने बताया कि वह प्रभु यीशु की प्रार्थना करता है और उनके दुख दूर कर सकता है।

जगदीश और उसके साथी विक्रम सिंह ने उसे इलाज और प्रार्थना के बहाने शिव नगर रतलाम में धर्म परिवर्तन के लिए बुलाया। कैलाश ने बताया कि उसे उनकी प्रार्थना स्वीकार करने और धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया गया। पुलिस अब रिमांड पर मौजूद विक्रम सिंह से पूछताछ करेगी और यह पता लगाएगी कि और कौन लोग इस मामले में शामिल थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, श्राद्ध कार्यक्रम में जा रहा था, 6 बच्चों का पिता था किसान

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर जिले के नौगांव थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। लुगासी चौकी के पास नर्सरी के नजदीक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार किसान की मौत हो गई।

मृतक की पहचान बरा गांव निवासी 40 वर्षीय शंकर श्रीवास के रूप में हुई है। शंकर पेशे से किसान हैं उनकी 5 बेटियां और एक बेटा है। एक बेटी की शादी हो चुकी है और बेटे का जन्म सिर्फ एक महीने पहले हुआ था।

मामा के घर जा रहा था युवक: जानकारी के अनुसार, शंकर अपने मामा के घर बनगांव में श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होकर बहन के घर लुगासी जा रहे थे। परिजनों ने बताया कि रात को खाना खाने के बाद वे बहन के घर सोने के लिए निकले थे। इस दौरान रास्ते में हादसा हो गया। डायल-112 पुलिस ने शंकर को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया। नौगांव थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश की जा रही है।

एसडीएम कार्यालय के बाबू का रिश्वत लेते वीडियो वायरल

सिवनी मालवा, एजेंसी। सिवनी मालवा सोशल मीडिया पर एसडीएम कार्यालय के एक बाबू का रिश्वत लेते हुए वीडियो तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि बाबू किसी कार्य को कराने के एवज में रिश्वत के रुपए मांग रहा है। जब रिश्वत देने वाला व्यक्ति कम राशि देता है तो बाबू और अधिक रुपए की मांग करता नजर आता रहा है, जबकि देने वाला व्यक्ति बार- बार यह कहता सुनाई देता है कि उसके पास केवल इतनी ही राशि है।

यह पूरी घटना मोबाइल कैमरे में कैद हो गई और कुछ ही देर में वायरल हो गई। वीडियो सामने आने के बाद नागरिकों ने आरोपी बाबू के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस विषय में एसडीएम सरोज परिहार ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह वीडियो काफी पुराना प्रतीत हो रहा है। संबंधित बाबू को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और उसका जवाब मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

नरसिंहगढ़ में शिवजी चौक पर दिखा पैंगोलिन:वन विभाग ने किया रेस्क्यू, कहा- अनजान प्रजातियों को देखकर घबराएं नहीं

राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ के नरसिंहगढ़ में रविवार रात एक दुर्लभ पैंगोलिन की मौजूदगी ने स्थानीय लोगों में उत्सुकता जगा दी। शिवजी चौक, कुम्हार गली और उदावत गंज के पास रात 9 से 10 बजे के बीच यह कांटेदार जीव सड़क पर दिखाई दिया। स्थानीय निवासी हेप्पी शर्मा ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पैंगोलिन को सुरक्षित रेस्क्यू कर उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया।

पूरा शरीर कांटों से ढका होता है: वन विभाग ने बताया कि पैंगोलिन एक दुर्लभ प्रजाति का जीव है। इसका पूरा शरीर कांटों से ढका होता है। विभाग ने स्पष्ट किया कि यह जीव मनुष्यों के लिए खतरनाक नहीं है।

अनजान प्रजातियों को देखकर घबराएं नहीं: जिले में यह दूसरी बार है जब पैंगोलिन दिखाई दिया है। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि ऐसी अनजान प्रजातियों को देखें तो घबराएं नहीं। इसकी जानकारी तुरंत विभाग को दें ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले कभी ऐसा नजारा नहीं देखा।

हरदा में तीन महीनों से किसानों को खाद की किल्लत

पीओएस मशीन पर स्टॉक न होने से हो रही परेशानी; कलेक्ट्रेट में किया विरोध

हरदा, एजेंसी। हरदा में पिछले तीन महीनों से किसानों को खाद की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को खाद वितरण की सूचना पर एमपी एग्रो एवं विपणन संघ के गोदाम पर सुबह से ही किसानों की लंबी कतार लग गई।

सुबह 11 बजे जब कार्यालय खुला, तब पता चला कि शनिवार को आई यूरिया की रेक का स्टॉक अभी तक पीओएस मशीन पर अपडेट नहीं हुआ है। इस कारण खाद का वितरण नहीं हो सका। एसडीएम अशोक डेहरिया ने मौके पर पहुंचकर किसानों को आश्वासन दिया कि खाद वितरण से पहले सूचना दी जाएगी। साथ ही बताया जाएगा कि किन सोसायटियों और निजी विक्रेताओं के माध्यम से कितनी मात्रा में खाद वितरित होगी।

अगले दिन वितरित होने वाली यूरिया के लिए आज ही टोकन दिए जाएं: खाद नहीं मिलने से नाराज किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रदर्शन किया। किसानों की मांग है कि अगले दिन वितरित होने वाली यूरिया के लिए आज ही टोकन दिए जाएं। कृषि उप संचालक जवाहरलाल कास्दे और एसडीएम अशोक डेहरिया ने मंगलवार से यूरिया वितरण शुरू करने का आश्वासन दिया है।

मंगलवार से वितरण शुरू होगा: कुछ किसानों का कहना है कि उन्हें डीएपी के लिए पहले से टोकन मिले हैं, लेकिन अभी तक खाद नहीं मिली है। प्रशासन का कहना है कि पीओएस मशीन पर स्टॉक अपडेट होते ही मंगलवार से वितरण शुरू होगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहन विश्नोई भी कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर सिद्धार्थ जैन से खाद की किल्लत के मुद्दे पर चर्चा की।

मैक्स वेरस्टापेन ने जीता इटैलियन ग्रां प्री, मई के बाद मिली पहली कामयाबी

मोनज़ा (इटली), एजेंसी। मौजूदा विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टापेन ने रविवार को इटैलियन ग्रां प्री जीतकर फॉर्मूला-1 में मैकलेरन के दबदबे को धीमा कर दिया। वेरस्टापेन ने पोल पोज़िशन से शानदार शुरुआत करते हुए ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और जीत अपने नाम की। रेड बुल के डच ड्राइवर ने लैंडो नॉरिस और चैम्पियनशिप लीडर ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए जीत दर्ज की। शनिवार को क्वालिफाइंग के दौरान वेरस्टापेन ने एफ1 इतिहास का सबसे तेज लैप समय निकालकर पोल हासिल किया था। हालांकि, वेरस्टापेन के लिए लगातार पांचवां ड्राइवर्स खिताब जीतना मुश्किल माना जा रहा है क्योंकि वह पियास्त्री से 94 अंक पीछे चल रहे हैं। पियास्त्री तीसरे स्थान पर रहे और अब भी कुल अंक तालिका में 31 अंकों से आगे हैं, जबकि नॉरिस दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। इस सीज़न में अब तक मैकलेरन ने दबदबा बनाए रखा है और चार को छोड़कर सभी ग्रां प्री अपने नाम किए हैं। वेरस्टापेन की यह जीत मौजूदा सीज़न की सिर्फ तीसरी कामयाबी है। मई में एमीलिया रोमान्या ग्रां प्री जीतने के बाद इटली में यह उनकी दूसरी बड़ी जीत है। फेरारी के प्रशंसकों की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए चार्ल्स लेक्लर्क चौथे स्थान पर रहे। उनके साथी ड्राइवर लुईस हैमिल्टन को पांच स्थान की ग्रिड पेनल्टी के कारण 10वें स्थान से शुरुआत करनी पड़ी, लेकिन शानदार ड्राइविंग के दम पर वे छठे स्थान तक पहुंच पाए। हालांकि, वे अपने पूर्व मर्सिडीज़ साथी जॉर्ज रसेल को पीछे नहीं छोड़ पाए।

महिला एशिया कप हॉकी में भारत ने सिंगापुर को 12-0 से रौंदा, सुपर-4 में बनाई जगह

हांगझोउ, एजेंसी। भारतीय टीम ने महिला एशिया कप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंगापुर को 12-0 से हराकर सुपर-4 में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम अब 10 सितंबर को सुपर-4 में पूल ए की दूसरे स्थान की टीम से भिड़ेगी। भारत की ओर से नवनीत कौर (14', 20', 28') और मुमताज़ (2', 32', 39') ने हैट्रिक जमाई, जबकि नेहा (11', 38') ने दो गोल दागे। इसके अलावा लालरेमसियामी (13'), उदिता (29'), शर्मिला (45') और रुतुजा पिसल (53') ने भी गोल कर टीम की जीत को ऐतिहासिक बना दिया। भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और मैच के दूसरे ही मिनट में मुमताज़ ने जोरदार शॉट लगाकर खाता खोला। 11वें मिनट में नेहा ने गोल कर बढ़त दोगुनी की, इसके बाद लालरेमसियामी (13') और नवनीत (14') के गोलों ने स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में सिंगापुर ने कुछ देर तक संघर्ष किया, लेकिन 20वें मिनट में नवनीत ने एक और गोल दागा और फिर 28वें मिनट में हैट्रिक पूरी कर ली। जल्द ही उदिता (29') ने भी गोल दागा और हाफ टाइम तक भारत 7-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। मुमताज़ ने 32वें मिनट में अपना दूसरा और 39वें मिनट में तीसरा गोल दागकर हैट्रिक पूरी की। इसी बीच नेहा (38') और शर्मिला (45') ने भी गोल कर स्कोर 11-0 कर दिया। आखिरी क्वार्टर में रुतुजा पिसल ने 53वें मिनट में गोल कर स्कोर 12-0 कर दिया। सिंगापुर पूरी कोशिशों के बावजूद एक भी अपने नाम किया।

फिडे ग्रां प्री स्विस 2025: महिला वर्ग में वैशाली संयुक्त बढ़त पर, गुकेश-एरिगैसी की बाजी ड्रॉ

नई दिल्ली, एजेंसी। उज़्बेकिस्तान के समरकंद में चल रहे फिडे ग्रां प्री स्विस शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दौर के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली महिला वर्ग में संयुक्त रूप से शीर्ष पर बनी हुई हैं। जर्मनी की डिनारा वैगनर के खिलाफ ड्रा खेलने के बाद वैशाली के साथ अब रूस की कैटेरिना लाग्नो भी अंकों में बराबरी पर आ गई। लाग्नो ने चीन की युक्सिन सॉन्ग को सफेद मोहरों से हराकर संयुक्त बढ़त हासिल की। अब पांचवें दौर में वैशाली और लाग्नो के बीच अहम भिड़ंत होगी, जिसमें वैशाली सफेद मोहरों से खेलेंगी।

डिनारा के खिलाफ खेल में वैशाली ने काले मोहरों से ग्रुनफेल्ड डिफेंस अपनाया, लेकिन जर्मन खिलाड़ी की सटीक तैयारी और शुरुआती दौर में किए गए त्याग (रूक के बदले ऊँट) ने बाजी संतुलित कर दी। मध्य खेल में क्वीन अदला-बदली के बाद वैशाली के पास जीत का कोई ठोस मौका नहीं बचा और मुकाबला ड्रा हो गया।

ओपन वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन : ओपन सेक्शन में भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार वापसी करते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। उन्होंने मिस्र के जीएम बासेम अमीन को पराजित किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर. प्रज्ञानानंद को अमेरिका के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा ने ड्रा पर रोक दिया। प्रज्ञानानंद के पास एक अतिरिक्त प्यादा था लेकिन मिश्रा ने मजबूत रक्षात्मक चालों से मुकाबला बराबरी पर समाप्त कराया। यह खेल 57 चालों तक चला।तरह भारतीय टीम ने दो अंक की बढ़त हासिल करते हुए फ्रांस को अंतर से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ने सात अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। मेजबान अनीसिमोवा ने कहा, ओसाका ने मुझे कड़ी चुनौती दी। कई बार लगा कि मैं आगे नहीं बढ़ पाउंगी, लेकिन मैंने गहराई तक जाकर संघर्ष किया। यह मेरे लिए एक सपना पूरा होने जैसा है। 24 वर्षीय अनीसिमोवा ने अपने करियर में पहली बार फ्लशिंग मीडोज़ के फाइनल में प्रवेश किया। जीत के बाद उन्होंने कहा, ओह माय गॉड, यह मेरे लिए दुनिया के बराबर है। यह मेरे जीवन का सपना रहा है कि मैं यूएस ओपन के फाइनल में खेलूं और अब मैं खिताब जीतने की उम्मीद कर रही हूं।

मुरादाबाद के मैनाठेर निवासी कृतिका गुप्ता ने बरेली में खेली गई 37 वीं क स्टेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने सब जूनियर वर्ग में 42 किग्रा भार वर्ग में विरोधी खिलाड़ी को चित करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अर्जुन एरिगैसी के बीच ऑल-इंडियन मुकाबला भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ। गुकेश के पास हल्का बढ़त का आभास था लेकिन एरिगैसी ने बेहतरीन तैयारी और सही समय पर अदला-बदली करके स्थिति को बराबर कर दिया। खेल 46 चालों के बाद समाप्त हुआ। दुनिया के सबसे मजबूत स्विस टूर्नामेंट में अभी सात दौर शेष हैं। ईरान के परहम मघसूदलू 3.5 अंक लेकर आधे अंक की बढ़त पर हैं। उन्होंने मेजबान खिलाड़ी नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से कड़ा मुकाबला ड्रा खेला।

पिछले संस्करण के ओपन चैंपियन विदित गुजराती ने वापसी करते हुए यूक्रेन के दिग्गज वासिल इवानचुक को हराया। विदित, एरिगैसी, गुकेश और प्रज्ञानानंद 3 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। इनके साथ उज़्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव व नादिरबेक याकुबबोएव, हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट, जर्मनी के मैथियास ब्लूबाम, स्विट्ज़रलैंड के निकिता वितियोगोव और तुर्की के युवा खिलाड़ी यागिज़ कान एरडोगमस भी बराबरी पर हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कुल 8,55,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 7.1 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि दांव पर लगी है। साथ ही, ओपन और महिला वर्ग से दो-दो खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में धीमी ओवर गति के लिए दक्षिण अफ्रीका पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका पर रविवार को साउथैम्प्टन में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए तीसरे वनडे मैच में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को बताया कि दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा ने अपराध तथा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। आईसीसी के अनुसार मैदानी अंपायर नितिन मेनन और रसेल वॉरेन, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद और चौथे अंपायर माइक बर्न्स ने आरोप तय किए। आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ ने यह जुर्माना लगाया, क्योंकि तय समय के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की टीम इंग्लैंड के खिलाफ मैच में एक ओवर पीछे थी।

खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कार्मिकों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है।इसी के अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। बाद में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 जीत ली। सुब्रायण ने पहले एकदिवसीय मैच में एक विकेट लेकर योगदान दिया था। इस ऑफ स्पिनर ने अब तक दक्षिण अफ्रीका के लिए दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने पांच विकेट हासिल किए हैं। साउथैम्प्टन में रविवार को दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मैच खेला गया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम ने पांच विकेट पर 414 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 20.5 ओवर में मात्र 72 रन पर ढेर हो गई। इससे उसे 342 रनों के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि आखिरी मैच में हार के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

नवाज़ की हैट्रिक से पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 75 रन से हराकर जीता त्रिकोणीय सीरीज़

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद नवाज़ के हैट्रिक सहित 5 विकेट की बदौलत पाकिस्तान ने रविवार रात शारजाह में खेले गए फाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 75 रन से हराकर त्रिकोणीय सीरीज़ जीत ली है। इस सीरीज में तीसरी टीम यूएई की थी। मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 141/8 रन बनाए। फखर ज़मान ने 27 और मोहम्मद नवाज़ ने 25 रन की अहम पारी खेली। अफगानिस्तान के लिए राशिद खान ने 3 विकेट, जबकि नूर अहमद ने 2 विकेट हासिल किए। जवाब में अफगानिस्तान की टीम 15.5 ओवर में सिर्फ 66 रन पर सिमट गई। पारी की शुरुआत से ही उनके विकेट गिरते रहे। शाहीन अफरीदी ने पहले ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज़ को आउट किया। इसके बाद अबरार अहमद और नवाज़ ने लगातार झटके दिए। नवाज़ ने छठे और सातवें ओवर में दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई और इब्राहिम ज़ादरान को आउट कर हैट्रिक पूरी की। उन्होंने कुल पांच विकेट अपने नाम किए। सुफियान मुकीम और अबरार अफगानिस्तान का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरा सबसे कम स्कोर रहा। पाकिस्तान ने शानदार गेंदबाज़ी के दम पर 75 रनों से जीत दर्ज कर त्रिकोणीय सीरीज का खिताब अपने नाम किया। एकदिवसीय मैच के दौरान सुब्रायन की संदिग्ध अवैध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट की गई थी। इसके बाद 26 अगस्त को ब्रिस्बेन के राष्ट्रीय क्रिकेट केंद्र में उनका स्वतंत्र गेंदबाजी मूल्यांकन किया गया, जिसमें पता चला कि उनकी सभी गेंदों में कोहनी का विस्तार आईसीसी अवैध गेंदबाजी नियम के तहत निर्धारित 15 डिग्री के स्तर के भीतर था।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड: पाकिस्तान- 141/8 (20 ओवर) — फखर ज़मान 27, मोहम्मद नवाज़ 25; राशिद खान 3/38, नूर अहमद 2/17

अफगानिस्तान- 66 (15.5 ओवर) — राशिद खान 17; मोहम्मद नवाज़ 5/19, सुफियान मुकीम 2/9, अबरार अहमद 2/17

परिणाम- पाकिस्तान 75 रनों से विजयी

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में 35 भारतीय खिलाड़ी करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक होने वाली नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत के 35 खिलाड़ी पहली बार भाग लेंगे। यह अब तक का सबसे बड़ा दल है, जिसने किसी एक संस्करण में वर्ल्ड चैम्पियनशिप में डेब्यू किया है। भारत के स्टार खिलाड़ी महेंद्र गुर्जर इस टूर्नामेंट में विशेष आकर्षण रहेंगे। उन्होंने हाल ही में स्विट्ज़रलैंड में हुए नॉटविल वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में पुरुषों की एफ42 जेवलिन थ्रो में 61.17 मीटर का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। फिलहाल वे पटियाला में प्रशिक्षण ले रहे हैं और अपने पहले वर्ल्ड चैम्पियनशिप में प्रभाव छोड़ने को तैयार हैं। पहली बार भाग लेने वाले खिलाड़ियों में अतुल कौशिक (डिस्कस एफ57), प्रवीण (शॉट पुट एफ46), हनी (डिस्कस एफ37), मित भरतभाई पटेल (लॉन्ग जंप टी44), मनजीत (जेवलिन एफ13), विशु (लॉन्ग जंप टी12), पुष्पेंद्र सिंह (जेवलिन एफ44), अजय सिंह (लॉन्ग जंप टी47), शुभम जुयाल (शॉट पुट एफ57), बीरभद्र सिंह (डिस्कस एफ57), दयावंती (महिला 400 मीटर ञ्20), अमीषा रावत (महिला शॉट पुट एफ46), आनंदी कुलंथैसामी (क्लब थ्रो एफ32), और

सुचित्रा परिडा (महिला जेवलिन एफ56) शामिल हैं। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने एक बयान में कहा, कभी भी इतनी बड़ी संख्या में भारतीय एथलीट्स ने एक साथ वर्ल्ड चैम्पियनशिप में डेब्यू नहीं किया है। हर खिलाड़ी ने कठिनाइयों को पार कर यहां तक पहुंच बनाई है। ये नई पीढ़ी की उम्मीदें हैं और लाखों युवाओं को प्रेरित करेंगे कि वे भी खेलों में करियर बनाएं और बड़े सपने देखें। महेंद्र गुर्जर ने अपने उत्साह को साझा करते हुए कहा, यह चैम्पियनशिप सिर्फ मेडल की बात नहीं है, बल्कि यह दुनिया को भारतीय पैरा एथलीट्स के जज़्बा और क्षमता दिखाने का मंच है। मैं चाहता हूं कि हमारे प्रदर्शन से खासकर लड़कियां खेलों में आगे आएं और अपने सपनों का पीछा करें। वहीं, मित भरतभाई पटेल (पुरुष लॉन्ग जंप टी44) ने कहा, घरेलू दर्शकों के सामने इस स्तर पर खेलना मेरा सपना रहा है। मैं इस मौके के लिए आभारी हूं और भारत को करूंगा।

विश्व कप क्वालिफायर: जर्मनी ने उत्तरी आयरलैंड को हराकर पकड़ी जीत की राह

बर्लिन, एजेंसी। स्लोवाकिया के खिलाफ मिली हार से उबरते हुए जर्मनी ने रविवार को फीफा विश्व कप क्वालिफाइंग ग्रुप-ए के मुकाबले में उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हराकर जीत दर्ज की। पिछले गुरुवार ब्रातिस्लावा में 0-2 की हार के बाद कोच जूलियन नागेल्समैन ने अपनी शुरुआती एकादश में पांच बदलाव किए और इसका फायदा टीम को तुरंत मिला। सातवें मिनट में सर्ज गनाब्री ने निक वोल्टेमाडे के पास पर गोलकीपर बेली पीकॉक-फैरेल के ऊपर से शॉट लगाकर खाता खोला। जर्मनी ने बढ़त बढ़ाने के कई मौके बनाए लेकिन वोल्टेमाडे और डेविड राउम उन्हें भुना नहीं सके। उत्तरी आयरलैंड, जिसने अपने पहले मैच में लक्ज़मबर्ग को हराया था, धीरे-धीरे लय में आया और 34वें मिनट में बराबरी कर ली। जस्टिन डेवेनी के कॉर्नर पर इसाक प्राइस ने शानदार वॉली लगाकर गोल किया। इसके बाद जर्मनी थोड़ा असमंजस में दिखा और हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में पीकॉक-फैरेल ने पास्कल ग्रॉस और राउम के शॉट रोककर जर्मनी को बढ़त लेने से रोका। हालांकि नागेल्समैन के किए गए बदलाव निर्णायक साबित हुए। 60वें मिनट में उतरे नादियम अमीरी ने 69वें मिनट में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई। सिर्फ तीन मिनट बाद फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने फ्री-किक पर बेहतरीन गोल करते हुए मुकाबले का सबसे शानदार पल बनाया और जीत पक्की कर दी। अंतिम समय में उत्तरी आयरलैंड ने आक्रामक प्रयास किए लेकिन जर्मनी की जीत को खतरा नहीं पहुंचा सके। रोमांचक मुकाबलों के बीच फाइनल मैच प्रयागराज और डेरवा की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें प्रयागराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। समापन पर परिणाम घोषित किए गए, जिसमें प्रयागराज की टीम

प्रथम, डेरवा द्वितीय और मऊगंज की टीम तृतीय स्थान पर रही।

नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप भारत का अब तक का सबसे बड़ा पैरा स्पोर्टिंग इवेंट होगा, जिसमें 104 से अधिक देशों के 2200 से ज्यादा खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ 186 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। इस जीत के साथ जर्मनी का चार मैचों से चला आ रहा बिना जीत का सिलसिला खत्म हुआ। अब वह 10 अक्टूबर को सिन्सहाइम में लक्ज़मबर्ग की मेजबानी करेगा, जबकि उत्तरी आयरलैंड बेलफास्ट में स्लोवाकिया से भिड़ेगा। मैच के बाद कोच नागेल्समैन ने कहा, हमने शुरुआत अच्छी की और बढ़त भी बनाई, लेकिन बराबरी का गोल मिलने से माहौल थोड़ा बिगड़ गया। आखिरी 30 मिनट में हमारी असली तस्वीर दिखी, उससे पहले खेल थोड़ा अस्थिर था।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण के विशेष प्रयास करें : सीईओ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों का स्वयं अध्ययन कर उनमें तथ्यपूर्ण प्रतिवेदन दर्ज कराएं। प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके विभाग की रैंकिंग में सुधार करें। लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। इस बात का ध्यान रखें कि विभाग सी और डी रैंकिंग में न रहे। राजस्व विभाग, गृह विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पीएचई तथा खाद्य विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए विकासखण्ड स्तर तक शिविर लगाकर प्रकरणों को

निराकृत करें।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं तथा 50 दिन से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रम विभाग के प्रकरणों तथा जन्म-मृत्यु पंजीयन से संबंधित आवेदनों का सात दिवस में निराकरण कराएं। साथ ही समग्र पोर्टल में घर-घर जाकर ई केवायसी अपडेशन कराएं। इसमें प्रगति संतोषजनक नहीं है। शासन के निर्देशों के अनुसार आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का पंजीयन कराकर उनका ऑनलाइन प्रशिक्षण सुनिश्चित करें। सभी अधिकारी अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों का शत-प्रतिशत पंजीयन कराकर प्रशिक्षण दिलवाएं। इसके लिए 15 से 19 सितम्बर तक कर्मयोगी प्रशिक्षण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा 22 से 26 सितम्बर तक राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के मैच शासकीय उमावि मार्तण्ड क्रमांक एक और क्रमांक तीन के मैदान में खेले जाएंगे। इसके आयोजन से जुड़े सभी अधिकारी सौंपी गई जिम्मेदारी के अनुसार आवश्यक प्रबंध करें। जिले में खाद की पर्याप्त रैक आ रही हैं। वितरण केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं बनाकर किसानों को खाद का वितरण कराएं। बैठक में डिप्टी कलेक्टर आरके सिन्हा, डिप्टी कलेक्टर जीपी अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले भर में 15 से 19 तक मनाया जाएगा कर्मयोगी पोर्टल पर सीखें सप्ताह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में विभिन्न विभागों में पदस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों, संविदा में कार्य करने वालों का शासन के निर्देशों के अनुसार आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीयन कराया गया है। पंजीकृत शासकीय सेवकों को आईजीओटी पोर्टल तथा ऐप के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया है। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवड़ ने कहा है कि शासन के निर्देशों के अनुरूप 15 से 19 सितम्बर तक कर्मयोगी आईजीओटी पोर्टल पर सीखें सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवधि में सभी पंजीकृत अधिकारी पोर्टल के माध्यम से दिए जा रहे कम से कम दिए जा रहे दो प्रशिक्षणों में अनिवार्य रूप से शामिल रहेंगे। अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को भी आईजीओटी प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रभारी कलेक्टर ने कहा है कि विभाग द्वारा आईजीओटी पोर्टल पर प्रशिक्षण देने के लिए 12 सितम्बर तक सभी अधिकारी अधीनस्थों को समुचित निर्देश जारी करें। प्रशिक्षण के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी की तैनाती की गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को इसके लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। नोडल अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अन्य अधिकारियों को आईजीओटी प्रशिक्षण के संबंध में मार्गदर्शन देंगे। पोर्टल के माध्यम से जिला और विकासखण्ड स्तर पर विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों तथा संविदा में कार्य करने वालों को 11 और 12 सितम्बर को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कर्मयोगी आईजीओटी पोर्टल पर 15 से 19 सितम्बर तक सीखें सप्ताह का आयोजन किया जाएगा।

तीर्थदर्शन ट्रेन 25 अक्टूबर को जाएगी द्वारका और सोमनाथ, बुजुर्गों को मिला निःशुल्क तीर्थयात्रा का अवसर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को एक तीर्थस्थान की निःशुल्क यात्रा कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना लागू की गई है। इस योजना के द्वारा 60 साल से अधिक आयु के मध्यप्रदेश के निवासी नागरिकों को निःशुल्क तीर्थयात्रा का एक बार अवसर दिया जाता है। इस योजना के तहत रीवा जिले के 200 बुजुर्गों को 25 अक्टूबर को द्वारिका और सोमनाथ की तीर्थयात्रा का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में प्रभारी अधिकारी धर्मस्व ने बताया कि तीर्थदर्शन ट्रेन 25 अक्टूबर को रीवा रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। यह ट्रेन 31 अक्टूबर को वापस लौटेगी। इसमें रीवा के 200 बुजुर्गों के साथ-साथ मऊगंज जिले के 179, सतना के 200 तथा मैहर जिले 200 बुजुर्गों को निःशुल्क तीर्थयात्रा कराई जाएगी।

तीर्थयात्रियों को सहयोग देने के लिए प्रत्येक जिले से चार अनुरक्षक भी उनके साथ जाएंगे। आवेदक बुजुर्ग को आयकर दाता नहीं होना चाहिए। पात्र बुजुर्ग अपनी जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय अथवा नगरीय निकाय में 13 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर लाटरी के माध्यम से तीर्थयात्रियों का चयन किया जाएगा। यात्रा के दौरान सभी तीर्थयात्रियों को ठहरने, भोजन, पानी, चाय और नाश्ते की निःशुल्क सुविधा दी जाएगी। सभी तीर्थयात्री अपने साथ मौसम के अनुकूल कपड़े, अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री तथा दवाएं अपने साथ रखें। महिला तीर्थयात्रियों को आयु सीमा में दो वर्ष की छूट रहेगी।

राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता 22 से 26 तक, सभी अधिकारी खेल प्रतियोगिता के लिए आवश्यक प्रबंध करें : सीईओ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 22 से 26 सितम्बर तक रीवा में राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 17 वर्ष तक की आयु के बालक और बालिका वर्ग में वालीबाल की प्रतियोगिता होगी। इसके सभी मैच शासकीय उत्कृष्ट मार्तण्ड उमावि क्रमांक एक और क्रमांक तीन के मैदान में खेले जाएंगे। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि प्रतियोगिता से जुड़े विभिन्न विभाग के विभिन्न अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी अधिकारी सौंपी गई जिम्मेदारी के अनुसार आवश्यक प्रबंध करें।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि नगर निगम द्वारा प्रतियोगिता स्थल में साफ-सफाई तथा पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रतियोगिता के दौरान मेडिकल टीम आवश्यक दवाओं के साथ तैनात रखें। प्राचार्य मार्तण्ड उमावि प्रतियोगिता के लिए मैदान तैयार कराएं। जिला शिक्षा अधिकारी प्रतियोगिता के आयोजन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करें। प्रतियोगिता के उद्घाटन और समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराएं। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों तथा खेल प्रशिक्षकों के ठहरने तथा भोजन और आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिता में बालक और बालिका दोनों वर्गों में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, जबलपुर, सागर, ग्वालियर, शहडोल तथा रीवा संभाग की टीमें एवं जनजातीय कार्य विभाग की टीम शामिल होगी। खिलाड़ियों के ठहरने के लिए नवीन उत्कृष्ट बालक छात्रावास तथा नवीन उत्कृष्ट बालक छात्रावास में व्यवस्था की गई है। प्रतियोगिता के आयोजन के लिए खेल प्रशिक्षक, रेफरी एवं अन्य अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं।

जोन्हा सरपंच ने कमिश्नर रीवा के विरुद्ध लगाई उच्च न्यायालय में अवमानना की याचिका

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जवा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत जोन्हा के सरपंच धनेंद्र द्विवेदी ने माननीय उच्च न्यायालय में रीवा कमिश्नर बीएस जामोद के विरुद्ध अवमानना की याचिका लगाई है। यह याचिका

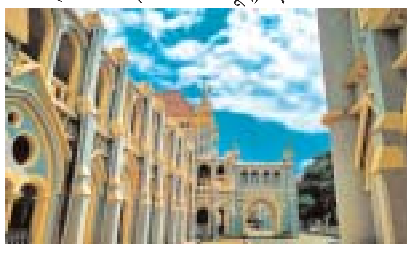

जनहित में दायर की गई है, जिसमें कहा गया है कि ग्राम पंचायत जोन्हा के ग्राम मौहरिया के आराजी नंबर 147/2, जो मध्य प्रदेश शासन की भूमि है, पर एनसीसी कंपनी द्वारा इंटेक्वेल का निर्माण किया जा रहा है।

इस निर्माण के लिए ग्राम पंचायत से कोई अनुमति नहीं ली गई है, जिसके कारण ग्रामवासियों ने विरोध किया। इसके बावजूद, एनसीसी कंपनी ने कार्य जारी रखा। सरपंच ने 02 मई 2025 को नायब तहसीलदार को सीमांकन कराने हेतु आवेदन दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सरपंच ने तहसीलदार, एसडीएम, कलेक्टर और कमिश्नर को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें इंटेक्वेल बनाने पर रोक लगाने की मांग की गई।

संजय गांधी अस्पताल की बिल्डिंग से गिरा मरीज, मौत

रीवा के हॉस्पिटल में तीसरे फ्लोर पर भर्ती थी; हफ्ते भर में दूसरी मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के सबसे बड़े संजय गांधी अस्पताल के तीसरे फ्लोर से गिरकर फिर एक मरीज की मौत हो गई। यह हफ्ते भर में दूसरा मामला है। घटना हादसा है या फिर आत्महत्या पुलिस इसकी जांच में जुटी हुई है। दरअसल एसजीएमएच अस्पताल के तीसरे फ्लोर के वॉशरूम में गए दिल सिंह निवासी खैरा की नीचे गिरने के कारण मौत हो गई। मरीज ने तृतीय तल से कूद कर आत्महत्या की या भूल बस नीचे गिरे अमहिया पुलिस पूरे मामले की पड़ताल कर रही है।

मामले के संबंध में जानकारी देते हुए मृतक मरीज दिल सिंह की पत्नी उर्मिला सिंह

ने बताया कि उनके पति को सांस फूलने की बीमारी थी। जिसके चलते उन्हें रविवार को तृतीय तल स्थित आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया था। आज में उन्हें वॉशरूम लेकर गई थी। इस दौरान मेरे पति ने कहा कि तुम जाकर वॉर्ड का बिस्तर बना दो। इसके बाद में वार्ड में बिस्तर बनाने चली आई। उसके बाद जब मैं दोबारा वॉशरूम पहुंची तो वहां मेरे पति नहीं मिले जब मैंने घर के अन्य सदस्यों से पूछताछ की तो मेरे पति की मुझे कोई जानकारी नहीं मिली।

इसी दौरान यह शोर हुआ कि कोई अस्पताल के तृतीय तल से नीचे गिर गया है। जब मैं भागते हुए नीचे पहुंची तो मुझे मेरे पति मृत अवस्था में मिले।

एक हफ्ते में दूसरी घटना: हफ्ते भर में संजय गांधी के तृतीय फ्लोर से गिरने की यह दूसरी घटना निकलकर सामने आई है। इससे पूर्व बैकुंठपुर के गुप्ता परिवार के एक बुजुर्ग सदस्य ने उपचार के दौरान तृतीय तल से कूद कर आत्महत्या कर ली थी। हफ्ते भर में लगातार दो घटनाएं सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा किए जा रहे सुरक्षा के दावों को लेकर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

5 कुत्तों ने जिंदा बछिया को नोच-नोच कर खाया 9 घंटे में पूरा खा गए, सिर्फ हड्डियां बचीं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रीवा शहर में शनिवार देर रात 5 स्ट्रीट डॉग एक एक जिंदा बछिया को नोच-नोचकर खा गए। उसे लगभग 9 घंटे तक नोचा। बछिया की सिर्फ हड्डियां बचीं। घटना एक सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है।स्थानीय संजय अग्रवाल के कार्यालय के सामने हुई घटना के फुटेज सोमवार को सामने आए। वीडियो में दिख रहा है शनिवार रात सभी दुकानें बंद हो चुकी थी। 5-6 कुत्तों ने 12 बजे बछिया पर हमला किया। सुबह

उसे खाते रहे। रविवार सुबह 11 बजे दुकानें खुलीं तो वहां बछिया की हड्डियां मिलीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि रीवा में स्ट्रीट डॉग का आतंक लगातार बढ़ रहा है। पिछले कुछ महीनों में डॉग बाइट के मामले लगातार सामने आए हैं। इससे शहर में भय का माहौल है। संजय अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम को इस मामले में सख्त कदम उठाना चाहिए। उन्होंने डॉग लवर्स से अपील की कि वह इस घटना को देखकर स्थिति की गंभीरता को समझें। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि आवारा कुत्तों का यह आतंक लोगों और पशुओं दोनों के लिए खतरा बन गया है। घटना के बाद नगर निगम और प्रशासन से उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

किसानों को उपलब्ध कराई जाय नगद और ऋण में खाद : सुव्रतमणि त्रिपाठी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय किसान यूनियन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष सुब्रत त्रिपाठी ने मध्यप्रदेश सरकार और निर्वाचित जन प्रतिनिधियों से निवेदन किया है कि किसानों को खाद संकट से उबारा जाए। उन्होंने कहा कि सभी सेवा सहकारी समितियों में नगद और ऋण में खाद उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसानों को खाद के लिए कई किलोमीटर की दूरी तय न करनी पड़े। त्रिपाठी ने यह भी कहा कि यह बहुत दुखद है कि मुख्यमंत्री रीवा आए, लेकिन हमारे जनप्रतिनिधियों ने किसानों के लिए भरपूर खाद की मांग अपने भाषणों में नहीं की। शायद उन्हें जानकारी नहीं है कि किसान खाद संकट से जूझ रहे

हैं। किसान भाई जहां खाद की लाइन में खड़े हैं, वहीं माताएं-बहनें भी खाद के लिए लाइन में हैं। उन्होंने कहा कि खाद वितरण में लगे जिला प्रशासन, कृषि, विपणन और केंद्रीय सहकारी बैंक के अधिकारियों को भी राहत मिलेगी।

सुब्रत त्रिपाठी ने कहा कि खाद की कमी के कारण किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से लें और किसानों की आवाज को सुनें। यदि सरकार ने समय पर खाद की व्यवस्था नहीं की, तो किसान आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

सतना-चित्रकूट हाईवे पर हादसा, बाइक सवार की मौत; साथी घायल, टक्कर मारने वाले का पता लगाने में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना-चित्रकूट स्टेट हाईवे पर सोमवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। खामा खुजा के पास एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पन्ना जिले के बड़वारा निवासी अजय चौधरी (28) के रूप में हुई है।

वह अपने साथी शिवा चौधरी के साथ बाइक से सतना के रामपुर चौरासी में रिश्तेदारी में जा रहा था।

घटना में गंभीर रूप से घायल अजय को उसके साथी शिवा ने ऑटो से जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। हादसे में शिवा को भी चोटें आई हैं। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस आरोपी अज्ञात वाहन का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

गौ-शालाओं को स्वावलंबी बनाना जरूरी : मुख्यमंत्री

गौशालाओं के प्रबंधन में धार्मिक संस्थाओं और दानदाताओं को जोड़े मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड की बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा/सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आत्मनिर्भर गौशाला, प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। गौ-शालाएं गोबर, गौमूत्र आदि अपशिष्ट से धन अर्जित कर संपन्न बन सकती हैं। स्वावलंबी गौशालाएं विकसित करने के लिए दुग्ध उत्पादों सहित गौमूत्र-गोबर आदि से निर्मित सामग्री के विक्रय की व्यवस्था विकसित की जाए। साथ ही गौशालाओं में उपलब्ध स्थान का उपयोग सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन के लिए भी किया जाए। प्रदेश के विभिन्न अंचलों में स्थानीय परिवेश के अनुरूप देसी नस्ल के गौपालन को

प्रोत्साहित किया जाए। गौशालाओं के प्रबंधन में धार्मिक संस्थाओं और दानदाताओं को जोड़े। प्रदेश में उपलब्ध पशुधन के अनुपात में पशु चिकित्सकों की संख्या कम है। गौवंश के बेहतर प्रबंधन और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए पशु चिकित्सकों की संख्या में बढ़ोतरी आवश्यक है। इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड की मंत्रालय में सोमवार को हुई बैठक में दिए। पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुसार प्रदेश में देसी नस्ल के गौपालन को प्रोत्साहित करने के लिए गिर, साहीवाल, मालवी और नागौरी नस्ल के पशुधन को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश के जनजातीय अंचलों में भी गौपालन गतिविधियों को बढ़ाने के लिए आवश्यक नवाचार किए जाएं। प्रदेश में पशुपालन-कृषि-उद्यानिकी तथा नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में समन्वित रूप से कार्य करने से किसानों की आय में भी वृद्धि होगी और दुग्ध उत्पादन की दिशा में भी प्रदेश, देश के शीर्षस्थ राज्यों में शामिल हो सकेगा। बैठक में जानकारी दी गई कि गौसंवर्धन बोर्ड द्वारा गौशाला समितियों के बैंक खातों में राज्य स्तर से सीधे राशि अंतरित की जा रही है। बोर्ड द्वारा 937 नवीन गौशालाओं की स्थापना उपरांत पंजीयन किया गया है, जिसमें एक लाख 10 हजार गौवंश को आश्रय प्राप्त है। वर्ष 2024-25 में विदिशा, देवास, आगर-मालवा, ग्वालियर, दमोह, सतना तथा रीवा में बायोगैस सह जैविक खाद निर्माण संयंत्र स्थापित किए गए। नगर निगम ग्वालियर, इंदौर तथा उज्जैन ने वृहद गौशालाओं का संचालन आरंभ किया गया है। भोपाल और जबलपुर में गौशालाओं की स्थापना का कार्य जारी है। बैठक में स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना की नीति की प्रगति पर भी समीक्षा हुई।

दुकानदार ने किसान से मांगे 480 रुपए, यूरिया की कालाबाजारी का वीडियो सामने आया; सहकारी समितियों में भारी भीड़

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में यूरिया खाद की कालाबाजारी का एक नया मामला सामने आया है। जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर कोठी कस्बे के श्रीराम

एग्रीकल्चर में एक विक्रेता और किसान के बीच हुई बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दुकानदार किसान से कह रहा है कि जिंक के साथ यूरिया 480 रुपए में मिलेगा। बिना जिंक के यूरिया उपलब्ध नहीं है। जब किसान ने सरकार द्वारा निर्धारित दर और रसीद की मांग की, तो दुकानदार ने चुनौती दी कि वह 350 रुपए की दर से दो ट्रक यूरिया दिलवा दे। रसीद की मांग पर दुकानदार ने इनकार कर दिया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चकघाट सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।